Dr. Kanak Lata Singh

ISSN 2277 - 5730

AN INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY
QUARTERLY RESEARCH JOURNAL

AJANTA

Volume - X Issue - IV October - December - 2021

MARATHI PART - I / HINDI

Peer Reviewed Refereed
Research Journal

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

IMPACT FACTOR / INDEXING
2019 - 6.399
www.sjifactor.com

❖ EDITOR ❖
Asst. Prof. Vinay Shankarrao Hatole
M.Sc (Maths), M.B.A. (Mktg.), M.B.A. (H.R.),
M.Drama (Acting), M.Drama (Prod. & Dir.), M.Ed.

❖ PUBLISHED BY ❖

Ajanta Prakashan
Aurangabad. (M.S.)

vivo Y20

VOLUME - X, ISSUE - IV - OCTOBER - DECEMBER - 2021
AJANTA - ISSN 2277 - 5730 - IMPACT FACTOR - 6.399 (www.sjifactor.com)

CONTENTS OF HINDI

अ.क्र.	लेख और लेखक के नाम	पृष्ठ क्र.
१	अनुसंधान का अर्थ परिभाषा एवं महत्व डॉ. कुलकर्णी वनिता बाबूराव	१-५
२	अनुसन्धान में चिन्तन प्रक्रिया - एक दृष्टिक्षेप प्रा. डॉ. डमरे मोहन मुंजाभाऊ	६-११
३	सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का शोध में प्रयोग डॉ. कनक लता सिंह	१२-१७

2023.06.24 15:05

UGC Approved Journal No. 49321 Impact Factor : 5.427 ISSN : 0976-6650

Shodh Drishti

An International Peer Reviewed Refereed Research Journal

Vol. 12, No. 11 Year - 12 November, 2021

PEER REVIEWED JOURNAL

Editor in Chief
Prof. Abhijeet Singh

Editor
Prof. Vashistha Anoop
Department of Hindi
Banaras Hindu University
Varanasi

Dr. K.V. Ramana Murthy
Principal
Vijayanagar College of Commerce
Hyderabad

Dr. Anil Kumar
Assistant Professor, Department of History
Rajdhani College, University of Delhi

Published by
SRIJAN SAMITI PUBLICATION
VARANASI
E-mail : shodhdrishtivns@gmail.com, Website : shodhdrishti.com, Mob. 9415388337

2023.06.24 14:26

UGC Approved Journal No. 49321
Shodh Drishti (An International Peer Reviewed Refereed Research Journal), Vol. 12, No. 11, November, 2021
Impact Factor : 5.427
ISSN : 0976-6650

अनुक्रमणिका

गाँवों की ओर लौट चलें **डॉ0 इन्द्रदेव सिंह**	1-2
स्त्री प्रश्न और कबीर **डॉ0 रामाश्रय सिंह**	3-6
गांधी जी के आर्थिक विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता **प्रियंक कुमार रोकडे**	7-8
आत्मनिर्भर भारत : अवसर और चुनौतियाँ **डॉ0 गोरख नाथ**	9-11
21वीं सदी में महात्मा गांधी का दर्शन (वर्तमान युग में गांधी दर्शन की प्रासंगिकता) **डॉ0 सुनीता यादव**	12-16
सर्व शिक्षा अभियान : एक साहित्यिक अध्ययन **राकेश मल्ल**	17-20
रामदरश मिश्र के उपन्यासों में चित्रित ग्रामीण जीवन : एक दृष्टि **डॉ0 संगीता मिश्र**	21-22
किन्नौर जनपद में विश्वकर्मा समुदाय द्वारा कलात्मक क्षेत्र में योगदान **विद्या मनी**	23-26
पूर्वी लोकगीतों में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय रागों का समावेश (संस्कार गीतों के विशेष संदर्भ में) **मनोहर कृष्ण श्रीवास्तव**	27-31
दीनदयाल जी के चिंतन की दार्शनिक अवधारणा **राम विलास मौर्या**	32-34
महिलाओं की सामाजिक दशा एवं पारिवारिक जीवन **डॉ0 दयाशंकर सिंह यादव**	35-36
बालिका शिक्षा के प्रति बदलते दृष्टिकोण **अमित कुमार सिंह एवं डॉ0 राजेश कुमार त्रिपाठी**	37-40
ग्रामीण महिलाओं में उच्च शिक्षा के स्तर का अध्ययन जिला लखीमपुर खीरी के विकासखंड पसगवां के सन्दर्भ में) **अनुराधा एवं डॉ0 कनकलता सिंह**	41-44

2023.06.24 14:27

Dr. Seema Gautam

ISSN : 2395-4078

Janak : A Journal of Humanities

Peer-reviewed Refereed Annual Journal

JJH

Volume 7, Number 1, 2021

CHIEF PATRON:

Professor Udai Prakash Arora
(Retd. Greek Chair Professor)
School of Language, Literature & Culture Studies
J.N.U., New Delhi, India

ASSOCIATE EDITOR :

Mr. Dheeraj Kumar Rastogi
Assistant Professor
Department of Education
S.S. (P.G.) College, Shahjahanpur

Dr. Seema Gautam
Assistant Professor
Department of History
S. R. S. Mahila Mahavidyalaya, Bareilly

CiteFactor
Academic Scientific Journals
IMPACT FACTOR 1.29
(2020-2021)

Chief Editor
Dr. Deepak Singh
Assistant Professor
Department of History
Swami Shukdevanand (P.G.) College
Shahjahanpur, (U.P.)

Dr. Janak Singh Socio Cultural Educational Society
Website : www.jssces.com

30. किसान क्रेडिट कार्ड का आलोचनात्मक मूल्यांकन : घोसी ब्लॉक के विशेष संदर्भ में
सुजीत कुमार सिंह, अभिषेक पांडेय 145-150

31. मध्यकालीन भारतीय इतिहास में महिलाओं की स्थिति
सीमा गौतम 151-155

32. लैंगिक असमानता और मानवधिकार
दीपक सिंह 156-157

33. भारत में कृषि व सम्बद्ध क्षेत्रों में ग्रामीण महिलाओं की बढ़ती भूमिका
पूनम रानी 158-162

34. पर्यावरण संरक्षण : भारतीय महिलाओं की भूमिका
शुभा गोयल 163-166

35. आधुनिक राष्ट्रवाद के जनकः दयानन्द सरस्वती
आलोक भारद्वाज, अमित वर्धन 167-172

36. महात्मा गाँधी के राजनैतिक चिन्तन में मानवाधिकार वादी तत्व
वंदना शर्मा, विक्रम कुमार शिवम् 173-175

37. वैदिक चिन्तन में मानवाधिकार विषयक अवधारणा
कमलेश शर्मा 176-178

गौतम, सीमा; Janak:A Journal Of Humanities. VII : 151-155 [2021]
© Dr. Janak Singh Socio Cultural Educational Society ISSN : 2395-4078

मध्यकालीन भारतीय इतिहास में महिलाओं की स्थिति

सीमा गौतम
असिस्टेंट प्रोफेसर इतिहास विभाग
साहू राम स्वरूप महिला महाविद्यालय, बरेली

इतिहास के प्रारम्भिक रूप को देखने से यह ज्ञात होता है कि शुरू से ही स्त्री परिवार का केन्द्र बिन्दु रही है। शुरूआती दौर में परिवार मातृसत्तात्मक हुआ करते थे। कृषि का प्रारम्भ तथा एक जगह बस्ती बनाकर रहने की शुरूआत स्त्री ने ही की थी, इसलिए सभ्यता और संस्कृति के प्रारम्भ में नारी है किंतु कालान्तर में धीरे-धीरे सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन आया और समाज मातृसत्तात्मक के स्थान पर पितृसत्तामक होता चला गया और स्त्री समाज के हाशिए पर चली गयी। आर्यों की सभ्यता और संस्कृति के प्रारम्भिक काल में महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ थी। ऋग्वेद काल में स्त्रियां उस समय की सर्वोच्च शिक्षा अर्थात ब्रह्मज्ञान प्राप्त कर सकती थीं। ऋग्वेद में सरस्वती को वाणी की देवी कहा गया है जो उस समय की नारी की शास्त्र एवं कला के क्षेत्र में निपुणता का परिचायक है। अर्द्धनारीश्वर की कल्पना स्त्री और पुरूष के समान अधिकारों तथा उनके सन्तुलित सम्बन्धों का परिचायक है। वैदिक काल में परिवार के सभी कार्यों और भूमिकाओं में पत्नी को पति के समान अधिकार प्राप्त थे। स्त्रियां शिक्षा ग्रहण करने के अलावा पति के साथ यज्ञ का सम्पादन भी करतीं थीं। वेदों में कई स्थानों पर रोमाला, घोषाल, सूर्या, अपाला, विलोमी, सावित्री यमी, कामायनी, विश्वम्भरा, देवयानी आदि विदुषियों के नाम प्राप्त होते हैं, यद्यपि वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति सुदृढ थी, तथापि ऋग्वेद में कुछ ऐसी उक्तियां भी हैं जो महिलाओं के विरोध में दिखाई पड़ती हैं। मैत्रयी संहिता में स्त्री को झूठ का अवतार कहा गया है। ऋग्वेद के ही एक कथन में स्त्रियों को दास की सेना का अस्त्र-शस्त्र कहा गया है। स्पष्ट है कि वैदिक काल में भी कहीं न कहीं महिलाऐं नीची दृष्टि से देखी जाती थीं। फिर भी हिन्दू जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में वह समान रूप से आदर और प्रतिष्ठित थीं। शिक्षा, धर्म, व्यक्तित्व और सामाजिक विकास में उसका महान योगदान था। संस्थानिक रूप से स्त्रियों की अवनति उत्तर वैदिक काल से शुरू हुई। उन पर अनेक प्रकार के निर्योग्यताओं का आरोपण कर दिया गया। उनकी स्वतन्त्रता और उन्मुक्तता पर अनेक प्रकार के अकुंश लगाये जाने लगे। मध्यकाल में इनकी स्थिति और भी दयनीय हो गई।

इस काल में उच्च वर्गों में स्त्रियों को अलग रखने और उनके बाहरी व्यक्तियों की मौजूदगी में चेहरे ढँकने की प्रथा, अर्थात् पर्दे की प्रथा व्यापक रूप से प्रचलित हुई। उच्चवर्गीय हिन्दुओं में स्त्रियों को दूसरों की वासनामय दृष्टि से दूर रखने की प्रथा थी। यह प्राचीन ईरान, यूनान आदि में भी प्रचलित थी। इसे अरबों और तुर्कों ने अपनाया और इसे वे अपने साथ लेकर भारत आये। उनके द्वारा इसका प्रचलन किये जाने के कारण यह भारत और विशेषकर उत्तर भारत में व्यापक रूप से प्रचलित हो गई। आक्रमणकारियों द्वारा हिंदू स्त्रियों को मुस्लिम बनाये जाने के डर को पर्दे के प्रचलन का कारण कहा जाता है। हिंसा के युग में यह संभव था कि स्त्रियों को युद्ध में प्राप्त लूट का कीमती माल माना जाए। लेकिन पर्दा प्रथा के फैलने का शायद सबसे महत्वपूर्ण कारण सामाजिक था। यह समाज के उच्चतर वर्गो की प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया तथा जो लोग प्रतिष्ठित माना जाना चाहते थे वे इसकी नकल करने का प्रयास करते थे। इसके लिए धार्मिक औचित्य भी ढूंढ़ लिया गया। कारण जो भी हो, पर्दा प्रथा ने स्त्रियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला और पुरूषों पर उन्हें और अधिक आश्रित बना दिया।

एन.एम.जफार ने पर्दा को हिन्दू स्त्रियों के लिए

Dr. Deepshikha Singh

DOI: 10.52984/ijomrc1312

DOI : 10.52984/ijomrc ISSN : 2582-8649

International Journal of Multidisciplinary Research Configuration

A Multidisciplinary Quarterly Peer Reviewed Refereed Research Journal

Vol. 1, No. 3, July, 2021

Chief Editor: Dr. ABHISHEK SRIVASTAVA

Associate Editor: Dr. ANSHU RAJ PUROHIT

http://ijomrc.com/

International Journal of Multidisciplinary Research Configuration

ISSN : 2582-8649
DOI : 10.52984/ijomrc

*Research Scholar; Professor **,
Department of English, Career Point University, Kota Rajasthan-India
corresponding Author: * nnazjarashid@gmail.com; ** Anshuraji8@gmail.com
DOI: 10.52984/ijomrc1307

8. Practical Form of Caste and Religion in Indian Democracy (भारतीय लोकतंत्र में जाति और धर्म का व्यवहारिक रूप)

Dr. Shilpa Jain
Assistant Professor, Department of History,
Gangasheel College, Faizullapur,
Nawabganj, Bareilly,U.P. India
corresponding Author: shilpajain339@gmail.com
DOI: 10.52984/ijomrc1308

9. Accent and Factors of Accent Creation

Ehsanullah Pamir
Professor, Department of Pashto,
Faculty of Languages and Literatures, Paktia University, Afghanistan,
CorrespondinAuthor: ehsanpamir@gmail.com
DOI: 10.52984/ijomrc1309

10. Concept and Applications of M-Commerce in India

Katanakal Sarada*; Dr. K. Nirmalamma**
*Research Scholar, Career Point University, Kota, Rajasthan-India
CorrespondinAuthor: sarrada.ramesh@gmail.com
**Rtd Principal, SSBN Degree College, Anantapur, Andhra Pradesh-India
CorrespondinAuthor: drknirmalamma@gmail.com
DOI: 10.52984/ijomrc1310

11. Corona Virus :- A Dreaded Lurgy

Dr. Fareen Jauhar
Bhms intern at Anushree Homeopathic Medical College,
Jabalpur, Madhyapradesh- India
CorrespondinAuthor: fareenjauhar78@gmail.com
DOI: 10.52984/ijomrc1311

12. Ancient and New Playing Style of the Punjab Gharana of Tabla: A Brief Discussion (तबले के पंजाब घराने की प्राचीन व नवीन वादन शैली: एक संक्षिप्त विवेचन)

Dr. Deep Shikha Singh
Assistant Professor, Department of Music,
Sahu Rameswaroop Mahila Mahavidyalaya, Bareilly
Corresponding Author: deepshikhasinghhh@gmail.com
DOI: 10.52984/ijomrc1312

13. Use of Professional Language in Media

Khalid Ahmad Habib
Head and Lecturer of journalism and Mass Communication
Department, Paktia University, Gardiz, Paktiya, Afghanistan
Corresponding Author: habib.khalid5@gmail.com
DOI: 10.52984/ijomrc1313

14. A perceptive study on carbon sequestration

Mrs. Jyoti Gupta

நவீனத் தமிழாய்வு
(பன்னாட்டுக் காலாண்டு ஆய்விதழ்)

Journal of
Modern Thamizh Research
(A Quarterly International Journal)

Chief Editor
Dr. M. Sadik Batcha

Advisory Editor
Dr. N. Chandra Segaran

Editorial Board
Dr. MAM. Rameez
Dr. Jeyaraman
Dr.A. Ekambaram
Dr. G. Stephen
Dr. S. Chitra
Dr. S.Senthamizh Pavai
Dr. Aranga. Pari
Dr. A. Shunmughom Pillai
Dr. P. Jeyakrishnan
Dr. S. Easwaran
Dr. Kumara Selva
Dr. A. Palanisamy
Dr. Ganesan Ambedkar
Dr. Kumar
Dr. S. Kalpana
Dr. T. Vishnukumaran
Dr M. N. Rajesh
Dr. M. Ramakrishnan
Dr. Govindaraj
Dr. Uma Devi
Dr. Senthil Prakash
Dr. M. Arunachalam
Dr. S. Vignesh Ananth
Dr. Pon. Kathiresan
Dr. S. Bharathi Prakash

30 பகுதி-3 Part -3

Vol. 9 No. 4
புரட்டாசி-மார்கழி 2052
October - December 2021
ISSN : 2321 - 984X

சான்றிதழ்

Certificate

This is to certify that Dr. / Mr. / Ms.

JYOTI GUPTA

Assistant Professor, Education Department, Sahu Ram Swaroop Mahila Mahavidyalaya, Shyam Ganj, Near Punjab National Bank, Bareilly, Pincode - 243005, Uttar Pradesh, India

has Published a paper titled

CONSTRUCTIVISM AND E-RESOURCES: EVOLVING A NEW PARADIGM IN TEACHING - LEARNING

Sl.No. 142 150
Pages 1002-1011

Published by
RAJA PUBLICATIONS
No. 10 (Upstair), Ibrahim Nagar, Khajamalai,
Tiruchirappalli - 620 023, Tamil Nadu, India.
Mobile : 9600535241
Website : www.rajapublications.com

Chief Editor
Dr. M. Sadik Batcha
Associate Professor
PG and Research Department of Thamizh
Jamal Mohamed College (Autonomous)
Tiruchirappalli - 620 020, Tamil Nadu, India
Mobile : 94434 17242, Email : ms_batcha@yahoo.co.in

2023.06.27 10:50

Dr. Asha Gupta

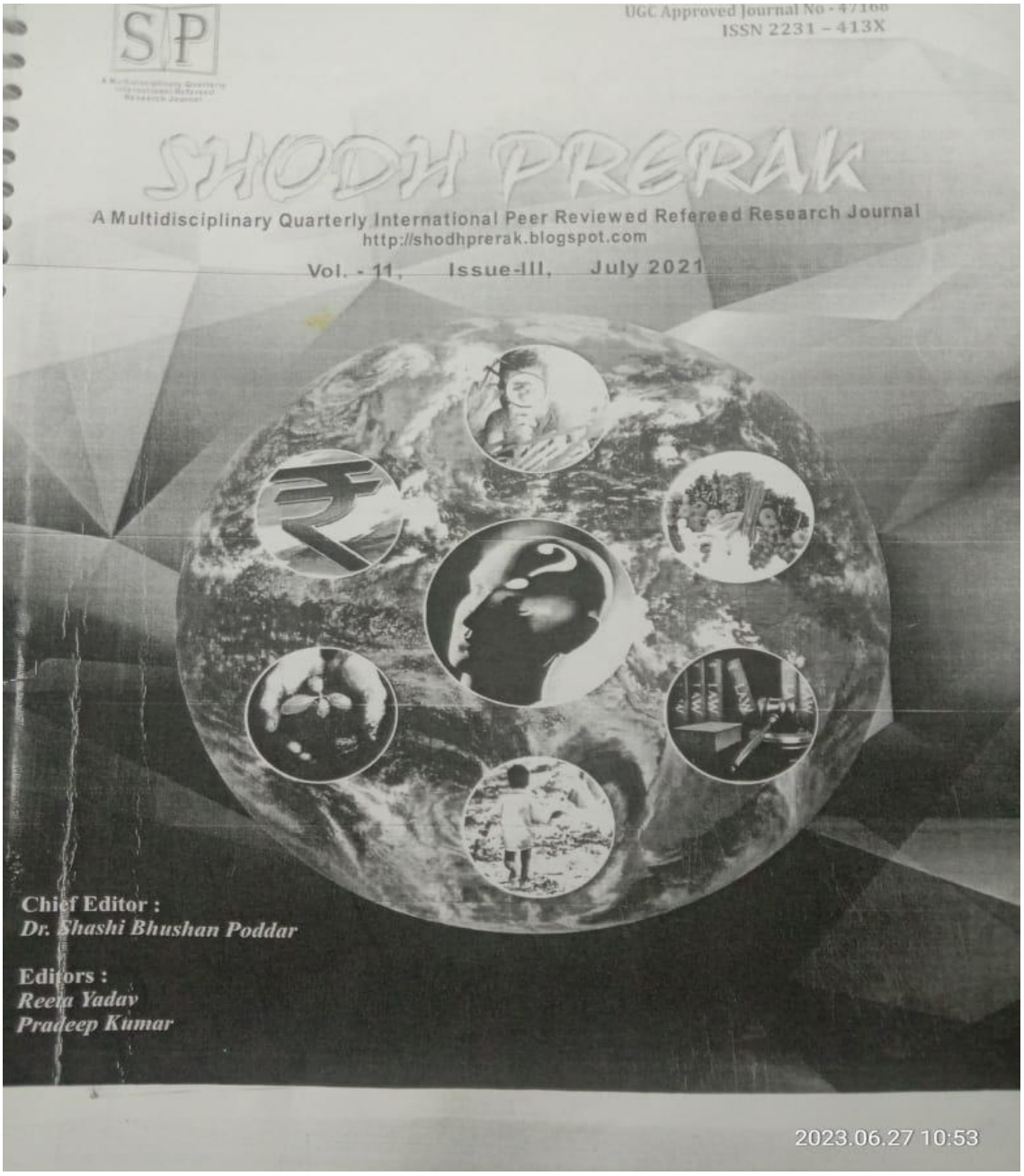
SP
UGC Approved Journal No - 47168
ISSN 2231 – 413X
SHODH PRERAK
A Multidisciplinary Quarterly International Peer Reviewed Refereed Research Journal
http://shodhprerak.blogspot.com
Vol. - 11, Issue-III, July 2021
Chief Editor :
Dr. Shashi Bhushan Poddar
Editors :
Reeta Yadav
Pradeep Kumar
2023.06.27 10:53

UGC Approved Journal No – 47168
(IIJIF) Impact Factor - 3.234

ISSN 2231 – 413X

SHODH PRERAK

A Multidisciplinary Quarterly International *Peer Reviewed*
Refereed Research Journal

Chief Editor:
Dr. Shashi Bhushan Poddar

Editors:
Dr. Reeta Yadav
Dr. Pradeep Kumar

Volume 11 | Issue III | July | 2021

Published By:
VEER BAHADUR SEVA SANSTHA
LUCKNOW
Printed at:
F/70 South City, Rai Bareilly Road, Lucknow-226025
E-mail: shodhprerak@gmail.com, shodhprerakbbau@gmail.com
www. shodhprerak.com
Cell NO.: 09415390515, 09450245771, 08960501747
Cite this Volume as S/P, Vol. 11, Issue III, July 2021

2023.06.27 11:12

- काश्मीर शैव दर्शन में परमशिव की लीला 126-130
  आकाश अवस्थी, शोध विद्यार्थी, दर्शनशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय
- शिक्षा के वैकल्पिक रूप समावेशी शिक्षा का अध्ययन 131-134
  डॉ. शरद कुमार यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, विक्रमादित्य कॉलेज ऑफ एजूकेशन, बी.पी.ओ., खेदूबिगहा, बेन, जिला-नालन्दा - 803114
- "गंगा नदी जल प्रदूषण : एक समीक्षा" 135-138
  डॉ. (श्रीमती) मधु यादव, एसोसियेट प्रोफेसर भूगोल विभाग, आदर्श कृष्ण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)
- विकासखण्ड मुरलीछपरा में औद्योगिक विकास आयोजना 139-145
  डॉ. ओम हरि आर्या, भूगोल विभाग, आर.बी.एस. कॉलेज आगरा
- डॉ. राही मासूम रजा के उपन्यासों की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं तत्कालीन सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश 146-149
  ललिता, शोध छात्रा (हिन्दी), राजकीय महिला महाविद्यालय मुहम्मदाबाद, गाजीपुर
- भारतीय समाज में धर्म की भूमिका 150-153
  डॉली कुमारी, शोध छात्रा, दर्शनशास्त्र विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना
- मध्ययुगीन अफगानिस्तान की सामाजिक संरचना और उसमें गैर अफगान जातियों की स्थिति 154-158
  मो. जियाउल्लाह
- जायसी और सूफी मत 159-162
  डॉ. आशा गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, साहू रामस्वरूप महिला महाविद्यालय, बरेली, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

2023.06.27 11:13

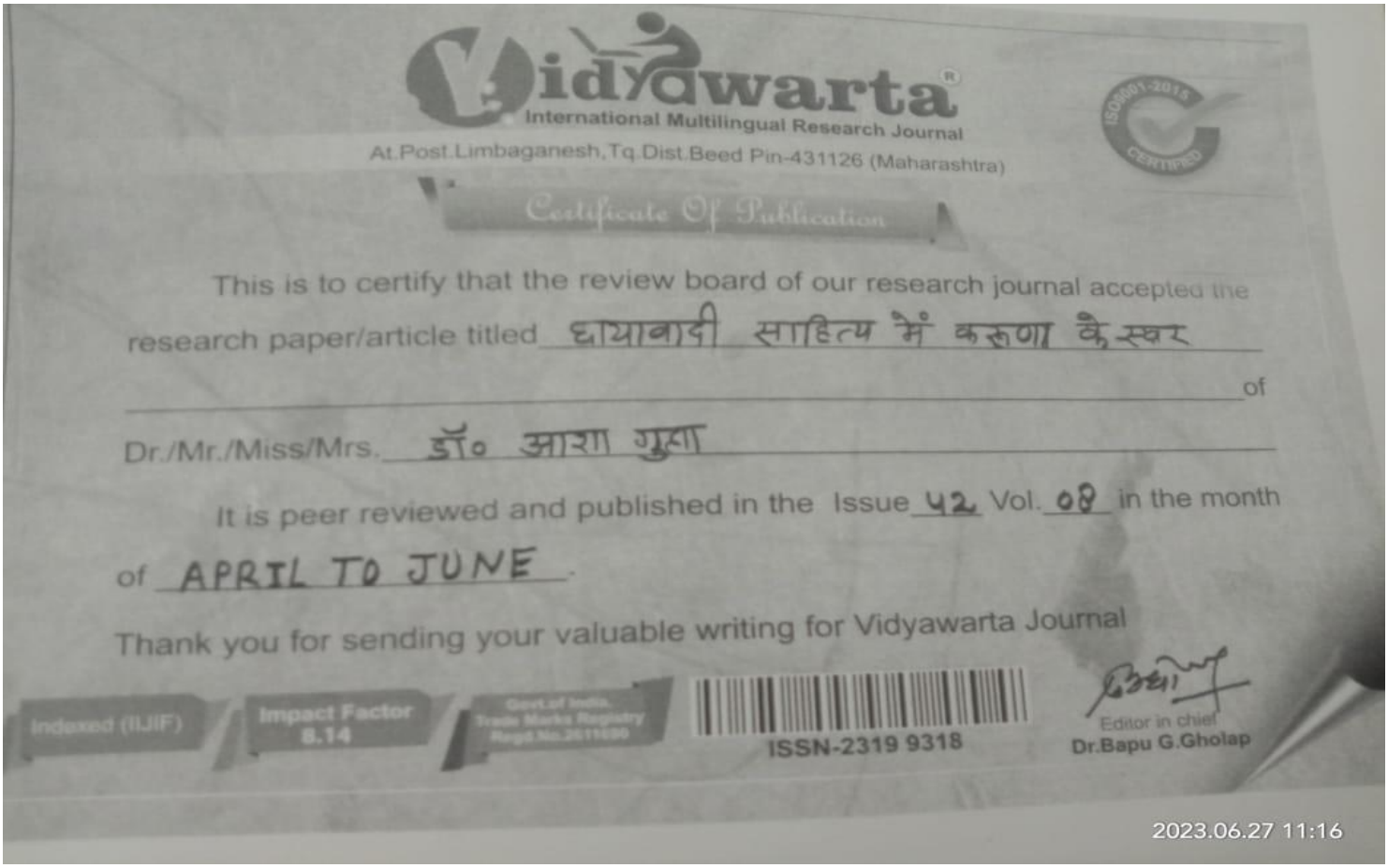

Vidyawarta®
International Multilingual Research Journal
At.Post.Limbaganesh,Tq.Dist.Beed Pin-431126 (Maharashtra)
ISO9001-2015 CERTIFIED

Certificate Of Publication

This is to certify that the review board of our research journal accepted the research paper/article titled छायावादी साहित्य में करुणा के स्वर of Dr./Mr./Miss/Mrs. डॉ० आशा गुप्ता

It is peer reviewed and published in the Issue 42 Vol. 08 in the month of APRIL TO JUNE.

Thank you for sending your valuable writing for Vidyawarta Journal

Indexed (IIJIF)
Impact Factor 8.14
Govt.of India, Trade Marks Registry Regd.No.[illegible]
ISSN-2319 9318

Editor in chief
Dr.Bapu G.Gholap

2023.06.27 11:16

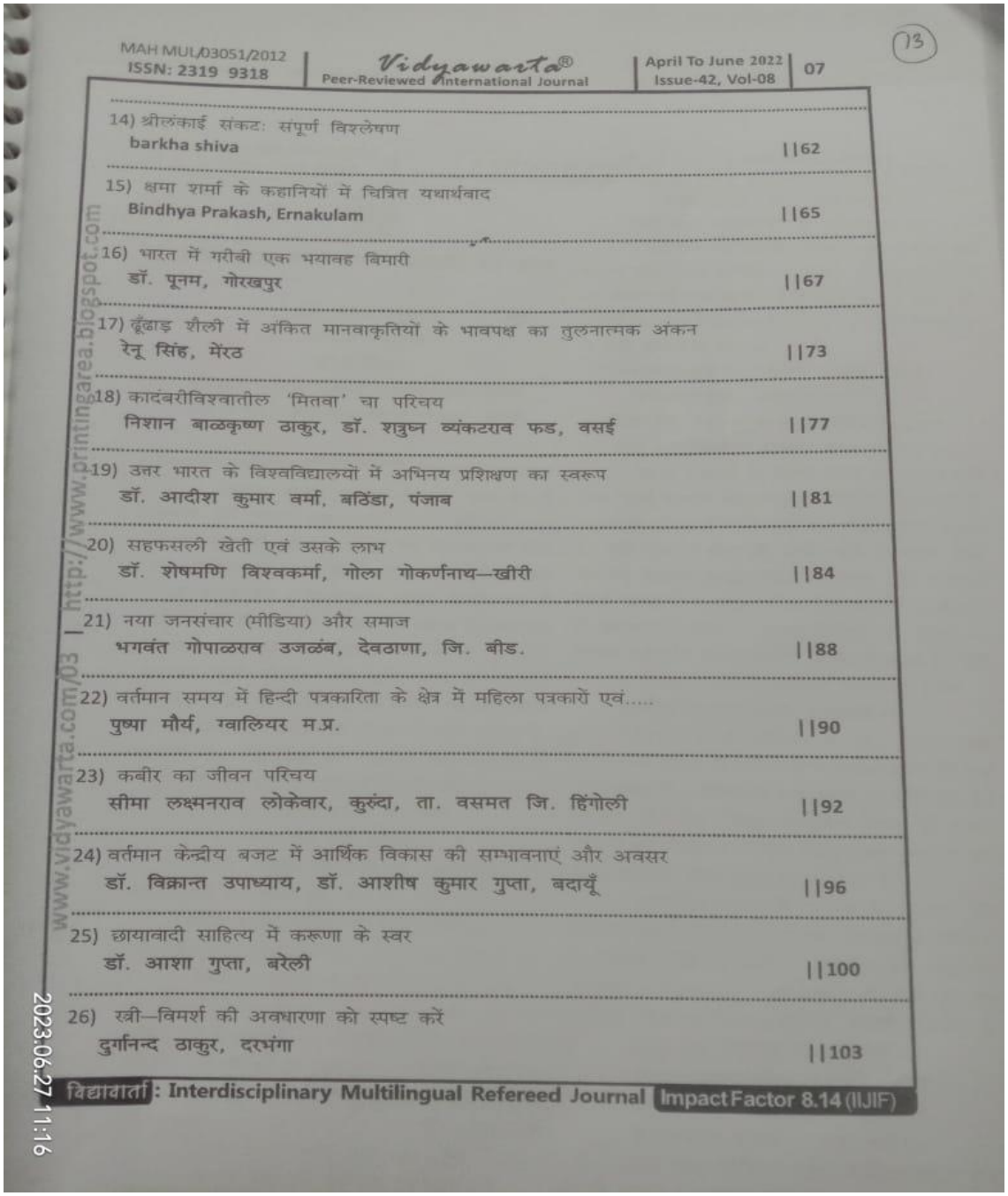

MAH MUL/03051/2012
ISSN: 2319 9318
Vidyawarta®
Peer-Reviewed International Journal
April To June 2022
Issue-42, Vol-08

(13)

14) श्रीलंकाई संकट: संपूर्ण विश्लेषण
barkha shiva ||62

15) क्षमा शर्मा के कहानियों में चित्रित यथार्थवाद
Bindhya Prakash, Ernakulam ||65

16) भारत में गरीबी एक भयावह बिमारी
डॉ. पूनम, गोरखपुर ||67

17) ढूँढाड़ शैली में अंकित मानवाकृतियों के भावपक्ष का तुलनात्मक अंकन
रेनू सिंह, मेरठ ||73

18) कादंबरीविश्वातील 'मितवा' चा परिचय
निशान बाळकृष्ण ठाकुर, डॉ. शत्रुघ्न व्यंकटराव फड, वसई ||77

19) उत्तर भारत के विश्वविद्यालयों में अभिनय प्रशिक्षण का स्वरूप
डॉ. आदीश कुमार वर्मा, बठिंडा, पंजाब ||81

20) सहफसली खेती एवं उसके लाभ
डॉ. शेषमणि विश्वकर्मा, गोला गोकर्णनाथ–खीरी ||84

21) नया जनसंचार (मीडिया) और समाज
भगवंत गोपाळराव उजळंब, देवठाणा, जि. बीड. ||88

22) वर्तमान समय में हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में महिला पत्रकारों एवं.....
पुष्पा मौर्य, ग्वालियर म.प्र. ||90

23) कबीर का जीवन परिचय
सीमा लक्ष्मनराव लोकेवार, कुरुंदा, ता. वसमत जि. हिंगोली ||92

24) वर्तमान केन्द्रीय बजट में आर्थिक विकास की सम्भावनाएं और अवसर
डॉ. विक्रान्त उपाध्याय, डॉ. आशीष कुमार गुप्ता, बदायूँ ||96

25) छायावादी साहित्य में करूणा के स्वर
डॉ. आशा गुप्ता, बरेली ||100

26) स्त्री–विमर्श की अवधारणा को स्पष्ट करें
दुर्गानन्द ठाकुर, दरभंगा ||103

www.vidyawarta.com/03_http://www.printingarea.blogspot.com
2023.06.27 11:16

Dr. Shashi Shukla

UGC Approved Journal No - 47168
ISSN 2231 – 413X

SP
A Multidisciplinary Quarterly International Refereed Research Journal

SHODH PRERAK

A Multidisciplinary Quarterly International Peer Reviewed Refereed Research Journal

http://shodhprerak.blogspot.com

Vol. - 11, Issue-III, July 2021

Chief Editor :
Dr. Shashi Bhushan Poddar

Editors :
Reeta Yadav
Pradeep Kumar

2023.06.27 11:20

OLD UGC Approved Journal No – 47168
(IIJIF) Impact Factor - 3.234

ISSN 2231 – 413X

SHODH PRERAK

A Multidisciplinary Quarterly International *Peer Reviewed*
Refereed Research Journal

Chief Editor:
Dr. Shashi Bhushan Poddar

Editors:
Dr. Reeta Yadav
Dr. Pradeep Kumar

Volume 11 **Issue III** **July** **2021**

Published By:
VEER BAHADUR SEVA SANSTHA
LUCKNOW
Printed at:
F/70 South City, Rai Bareilly Road, Lucknow-226025
E-mail: shodhprerak@gmail.com, shodhprerakbbau@gmail.com
www. shodhprerak.com
Cell NO.: 09415390515, 09450245771, 08960501747
Cite this Volume as S/P, Vol. 11, Issue III, July 2021

SELF ATTESTED

2023.06.27 11:20

प्रीति सिंह, शोध छात्रा, वाद्य विभाग, संगीत एवं मंच कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

- प्राचीन भारत का श्रेणीबद्ध शिल्प कर्म और उसका सामाजिक-आर्थिक आयाम — 58-63
  रोशन राज, गवेषक, इतिहास विभाग, भू.ना. विश्वविद्यालय, मधेपुरा, बिहार
- गढ़वाल हिमालय के पशुचारक — 64-69
  डॉ. विनोद सिंह फरस्वान, संविदा प्राध्यापक, इतिहास विभाग राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गैरसैण, चमोली उत्तराखण्ड
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की समस्याएं एवं उनका समाधान — 70-72
  अभय कुमार निराला, शोधार्थी, अर्थशास्त्र विभाग, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)
- उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाजपा की सहभागिता — 73-75
  अरविन्द कुमार, शोधार्थी, राजनीतिशास्त्र विभाग, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)
- प्रागैतिहासिक काल से समकालीन काल तक की कलोंतियों में लोक तत्वों और प्रतीकों का समावेश एवं उनकी अवधारणा — 76-78
  प्रो. अजय कुमार जैतली, विभागाध्यक्ष, दृश्य कला विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
  प्रीति सिंह, शोध छात्रा, दृश्य कला विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
- पाक प्रायोजित आतंकवाद से जूझता भारतीय उपमहाद्वीप : क्षेत्रीय विकास और शांति की चुनौती — 79-85
  डॉ. अरविन्द कुमार चतुर्वेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग, गनपत सहाय पी.जी. कालेज, सुलतानपुर
- भारत की विदेश नीति और भारत नेपाल सम्बन्ध — 86-89
  डॉ. प्रीति पाठक, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, साहू राम स्वरुप महिला महाविद्यालय, बरेली
- ब्रिक्स समूह देशों का संरचनात्मक व्यापारः विश्लेषणात्मक अध्ययन — 90-10
  मोनी सिंह, शोध छात्रा, अर्थशास्त्र विभाग, बयालसी पी. जी. कॉलेज जलालपुर, जौनपुर, उ.प्र. - २२२१३६ भारत.
  डॉ. प्रतिभा सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, बयालसी पी. जी. कॉलेज जलालपुर, जौनपुर, उ.प्र. - २२२१३६ भारत.
- बाल्यकाल में संगीत संस्कार : एक विश्लेषण — 109-
  डॉ. शशि शुक्ला, एसोसिएट प्रोफेसर, सा.रा.म. महाविद्यालय, बरेली
- निष्प्रभ आईना : डॉ. पी. एन. सिंह — 112-
  डॉ. शिखा तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, डी सी एस के पी जी कॉलेज मऊ
- हिन्दी नाटकः रंगभंग की लोकधारा और दलित — 118-
  डॉ. रोकश कुमार राम
- काश्मीर शैव दर्शन में परमशिव की लीला — 126-
  आकाश अवस्थी, शोध विद्यार्थी, दर्शनशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

SELF ATTESTED

OLD UGC Approved Journal No-49297
ISSN 2231 - 4113

Śodha Pravāha

A Multidisciplinary Peer Reviewed Refereed Research Journal

Vol. 11, Issue III July 2021

Chief Editor
Dr. S. K. Tiwari
Editor
Dr. S. B. Poddar

SELF ATTESTED

2023.06.27 11:22

- बौद्ध परंपरा में शिक्षा-पद्धति — 110-114
  प्रवीण कुमार यादव, शोध छात्र, दर्शन एवं धर्म विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
- कम्पनी-शासन में भारत में अनौद्योगीकरण एवं ग्रामीण ऋणग्रस्तता — 115-117
  श्वेता कुमारी, शोध छात्रा, इतिहास विभाग, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)
- सतत् आन्तरिक मूल्यांकन : आवश्यकता एवं महत्व — 118-121
  डॉ.(श्रीमती)नीलिमा श्रीवास्तव, प्राचार्या, साकेत गर्ल्स पी०जी० कालेज, दहिलामऊ, प्रतापगढ़
- योग दर्शन और मनोविज्ञान — 122-123
  नितेश अग्निहोत्री, शोधच्छात्र-संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
- शिक्षा द्वारा दलित महिलाओं का सामाजिक बदलाव — 124-126
  कौशल कुमार झा, (शोधार्थी), शिक्षा संकाय, ल.ना.मि. विश्वविद्यालय, दरभंगा
- बिहार की राजनीति में अतिपिछड़ों का उभार — 127-132
  कुमार मंगलम पाण्डेय, शोधार्थी, राजनितिशास्त्र विभाग, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा
- नागार्जुन की कविता और राजनीतिक व्यंग्य — 133-139
  डॉ. गोरखनाथ, एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी
- ऑनलाइन कक्षाएं शिक्षा का भविष्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के विशेष संदर्भ में — 140-143
  डॉ. अशोक कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर एजुकेशन, डी.सी.एस.के.पी.जी. कॉलेज मऊ
- ग्रामीण पटभूमि में अनुसूचित जाति की महिलाएं एंव स्वास्थ्य - एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण — 144-148
  अनिल कुमार यादव, शोध छात्र, समाजशास्त्र विभाग, मड़ियाहूँ पी.जी. कॉलेज, मड़ियाहूँ, जिला-जौनपुर
  डॉ. दुर्गेश्वरी पाण्डेय, अध्यक्ष एंव सुपरवाइजर, समाजशास्त्र विभाग, मड़ियाहूँ पी.जी. कालेज, मड़ियाहूँ, जौनपुर
- अम्बेडकर और उनकी न्याय दृष्टि — 149-153
  डॉ. संजय कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग, श्री महंथ रामाश्रय दास स्ना. महाविद्यालय, भुड़कुड़ा, गाजीपुर
- संगीत साधना एवं प्राणायाम — 154-156
  डॉ. शशि शुक्ला, एसोसिएट प्रोफेसर, सा.रा.म. महाविद्यालय, बरेली
- भारत की आन्तरिक सुरक्षा एवं चुनौतियों का समग्र अध्ययन — 157-160
  डॉ. अशोक कुमार सिंह, रीडर, रक्षा एवं स्त्रातिजक अध्ययन विभाग, आर.आर.पी.जी. कालेज अमेठी, जनपद-अमेठी।
- आत्मज्ञान एवं योग का मार्गः एक दार्शनिक विश्लेषण — 161-163
  रजनी गोस्वामी, शोधार्थी, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

SELF ATTESTED

2023.06.27 11:23

UGC Approved Journal No - 48728

ISSN 2249 - 8893

P.PUBLICATION

Annals of Multi-Disciplinary Research

A Quarterly International Peer Reviewed Refereed Research Journal

2023.06.27 11:25

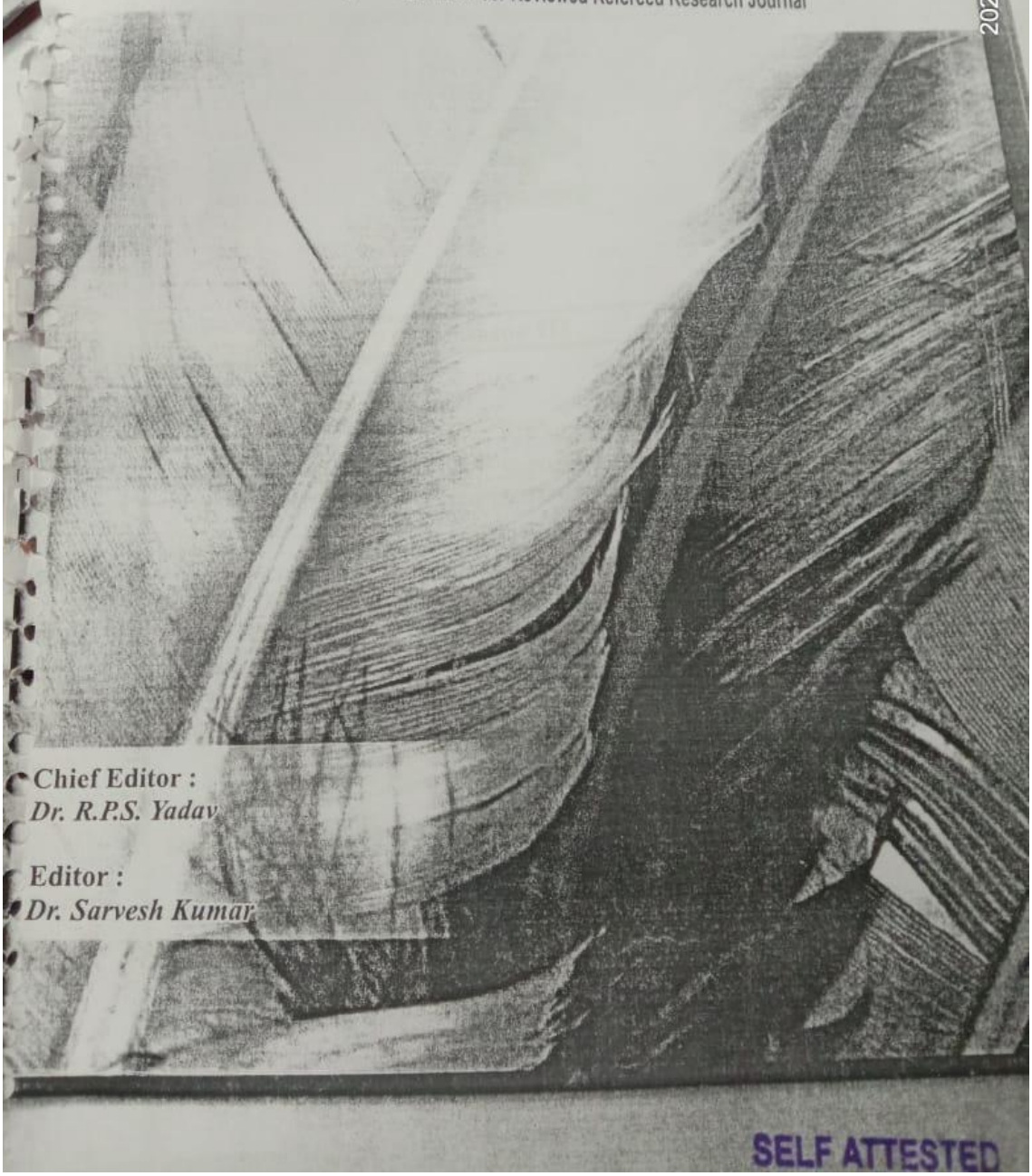

Chief Editor :
Dr. R.P.S. Yadav

Editor :
Dr. Sarvesh Kumar

SELF ATTESTED

Annals of Multi-Disciplinary Research, ISSN 2249–8893, Volume 11, Issue III, September 2021

CONTENTS

- नरेश मेहता के काव्य में युगबोध — 1-4
  डॉ. राम कृष्ण, एसो० प्रोफे०, हिन्दी विभाग, पं० दीनदयल उपाध्याय राजकीय बालिका, महाविद्यालय सेवापुरी वाराणसी (उ. प्र.)
- डॉ. शिव प्रसाद सिंह के हिन्दी साहित्य का एक अध्ययन — 5-7
  श्रीनिवास मंडल, शोधार्थी, स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
  प्रो० (डॉ०) ब्रजेश कुमार राय, स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
- यू.पी.बोर्ड तथा सी.बी.एस.ई. बोर्ड के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की व्यावसायिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन — 8-11
  इन्द्र प्रकाश सिंह, शोधार्थी शिक्षक-शिक्षा विभाग, तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर (उ.प्र.)
  डॉ. अजय कुमार दूबे, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षक-शिक्षा विभाग, तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर (उ.प्र.)
- समन्वित ग्रामीण विकास हेतु कृषि सुधार नियोजन — 12-14
  कौशलेन्द्र सिंह, शोधार्थी भूगोल विभाग, हण्डिया पी.जी. कालेज, हण्डिया, प्रयागराज
  डॉ. अरूण कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, हण्डिया पी०जी० कालेज, हण्डिया, प्रयागराज
- जनपद एटा में जनसंख्या वृद्धि के कारण व जनसंख्या को नियंत्रित करने के सुझाव — 15-18
  डॉ. कैलाश चन्द्र शर्मा, प्रवक्ता भूगोल विभाग, एस.बी.एस.(पी.जी.) कॉलेज, उम्मेदपुर, एटा।
- किशोर छात्र एवं छात्राओं पर घरेलू हिंसा का प्रभाव : एक अध्ययन — 19-23
  डॉ. वन्दना कुमारी, एसोसिएट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, कॉलेज ऑफ होम साइंस बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा उत्तर प्रदेश
  प्रियंका सिंह, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश
- जीवन के ताप का एहसास कराती जीवनगाथा — 24-28
  डॉ. गोरखनाथ, एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी-विभाग, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी
- मुगलकालीन प्रशासनिक नीतियां व उन पर प्रभाव — 29-31
  डॉ. संजीव जैन, इतिहास विभाग, आर. बी. एस. कॉलेज, आगरा
- स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर का समायोजन पर प्रभाव का अध्ययन — 32-37
  राजेश कुमार निगम, शोध प्रज्ञ : सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय बदलापुर, जौनपुर
  डॉ. महेन्द्र सिंह, शोधक निर्देशक : असीस्टेन्ट प्रो. शिक्षा संकाय, सल्तनत बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय बदलापुर, जौनपुर
- सामाजिक उत्तरदायित्व में कला एवं कलाकार — 38-40
  डॉ. शशि शुक्ला, एसोसिएट प्रोफेसर, सा.रा.म. महाविद्यालय, बरेली
- मानवाधिकार शिक्षा के आयाम एवं सिद्धान्त — 41-44
  डॉ. धनंजय कुमार राय, एसोसिएट प्रोफेसर, बी.एड. विभाग, लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मुगलसराय, चन्दौली

SELF ATTESTED

2023.06.27 11:26

Dr. Aakanksha Rastogi

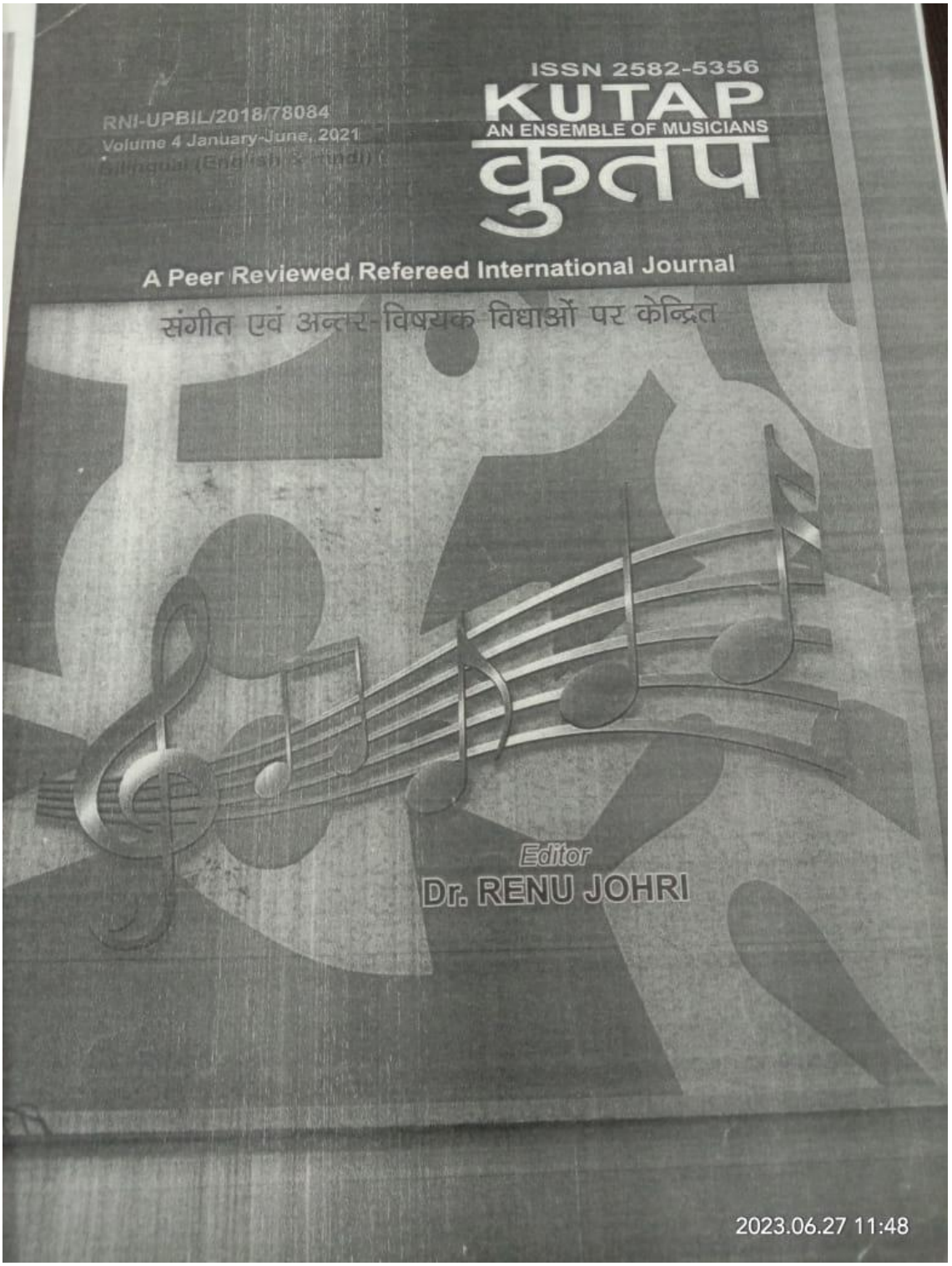

RNI-UPBIL/2018/78084
Volume 4 January-June, 2021
Bilingual (English & Hindi)
ISSN 2582-5356
KUTAP
AN ENSEMBLE OF MUSICIANS
कुतप
A Peer Reviewed Refereed International Journal
संगीत एवं अन्तर-विषयक विधाओं पर केन्द्रित
Editor
Dr. RENU JOHRI
2023.06.27 11:48

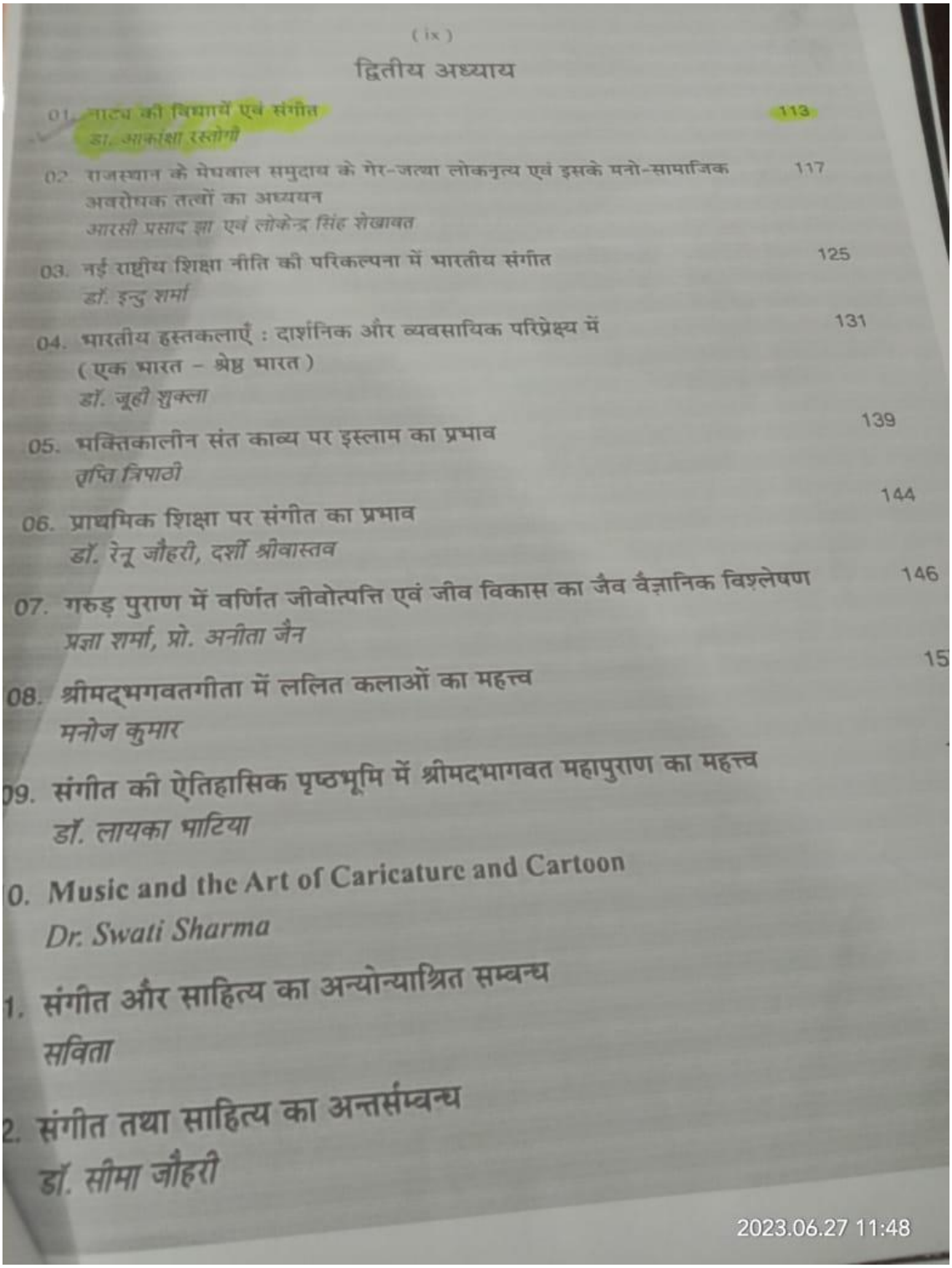

(ix)

द्वितीय अध्याय

01. नाट्य की विधायें एवं संगीत — 113
डा. आकांक्षा रस्तोगी

02. राजस्थान के मेघवाल समुदाय के गेर-जत्था लोकनृत्य एवं इसके मनो-सामाजिक अवरोधक तत्वों का अध्ययन — 117
आरसी प्रसाद झा एवं लोकेन्द्र सिंह शेखावत

03. नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की परिकल्पना में भारतीय संगीत — 125
डॉ. इन्दु शर्मा

04. भारतीय हस्तकलाएँ : दार्शनिक और व्यवसायिक परिप्रेक्ष्य में (एक भारत – श्रेष्ठ भारत) — 131
डॉ. जूही शुक्ला

05. भक्तिकालीन संत काव्य पर इस्लाम का प्रभाव — 139
तृप्ति त्रिपाठी

06. प्राथमिक शिक्षा पर संगीत का प्रभाव — 144
डॉ. रेनू जौहरी, दर्शी श्रीवास्तव

07. गरुड़ पुराण में वर्णित जीवोत्पत्ति एवं जीव विकास का जैव वैज्ञानिक विश्लेषण — 146
प्रज्ञा शर्मा, प्रो. अनीता जैन

08. श्रीमद्भगवतगीता में ललित कलाओं का महत्त्व — 15
मनोज कुमार

09. संगीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में श्रीमदभागवत महापुराण का महत्त्व
डॉ. लायका भाटिया

0. Music and the Art of Caricature and Cartoon
Dr. Swati Sharma

1. संगीत और साहित्य का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध
सविता

2. संगीत तथा साहित्य का अन्तर्सम्बन्ध
डॉ. सीमा जौहरी

2023.06.27 11:48

Ms. Priyanka Verma

https://www.tlhjournal.com/issues.php?issues_id=40

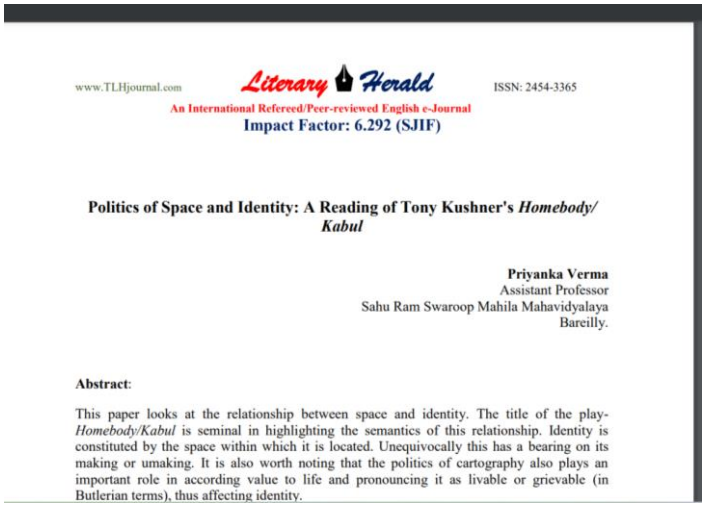

www.TLHjournal.com Literary Herald ISSN: 2454-3365

An International Refereed/Peer-reviewed English e-Journal

Impact Factor: 6.292 (SJIF)

Politics of Space and Identity: A Reading of Tony Kushner's *Homebody/ Kabul*

Priyanka Verma
Assistant Professor
Sahu Ram Swaroop Mahila Mahavidyalaya
Bareilly.

Abstract:

This paper looks at the relationship between space and identity. The title of the play- *Homebody/Kabul* is seminal in highlighting the semantics of this relationship. Identity is constituted by the space within which it is located. Unequivocally this has a bearing on its making or umaking. It is also worth noting that the politics of cartography also plays an important role in according value to life and pronouncing it as livable or grievable (in Butlerian terms), thus affecting identity.

https://www.the-criterion.com/V13/n3/AM05.pdf

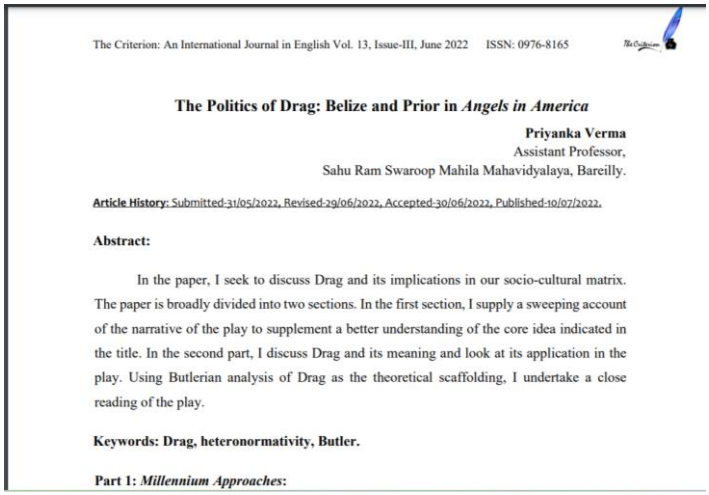

The Criterion: An International Journal in English Vol. 13, Issue-III, June 2022 ISSN: 0976-8165

The Politics of Drag: Belize and Prior in *Angels in America*

Priyanka Verma
Assistant Professor,
Sahu Ram Swaroop Mahila Mahavidyalaya, Bareilly.

Article History: Submitted-31/05/2022, Revised-29/06/2022, Accepted-30/06/2022, Published-10/07/2022.

Abstract:

In the paper, I seek to discuss Drag and its implications in our socio-cultural matrix. The paper is broadly divided into two sections. In the first section, I supply a sweeping account of the narrative of the play to supplement a better understanding of the core idea indicated in the title. In the second part, I discuss Drag and its meaning and look at its application in the play. Using Butlerian analysis of Drag as the theoretical scaffolding, I undertake a close reading of the play.

Keywords: Drag, heteronormativity, Butler.

Part 1: *Millennium Approaches*:

Ms. Mahima Yadav

Approved by UGC
Journal No. : 63580
Regd. No. 21747

Indexed by : IIJIF, I2OR, SJIF
I2OR Impact Factor : 6.650
ISSN 2277-2014

Research Discourse

An International Peer-reviewed Refereed Research Journal

Vol.XI No.IV OCTOBER- DECEMBER 2021

Editor in Chief
Dr. Anish Kumar Verma

Associate Editors
Dr. Rakesh Kumar Maurya
Dr. Purusottam Lal Vijay
Romee Maurya
Ashok Ram

Published by :
South Asia Research & Development Institute
B. 28/70, Manas Mandir, Durgakund, Varanasi-221005, U.P. (INDIA)
Website : www.researchdiscourse.org
E-mail : researchdiscourse2012@gmail.com
Mobile : 09453025847, 8840080928

Malini Yadav
2023.06.27 11:54

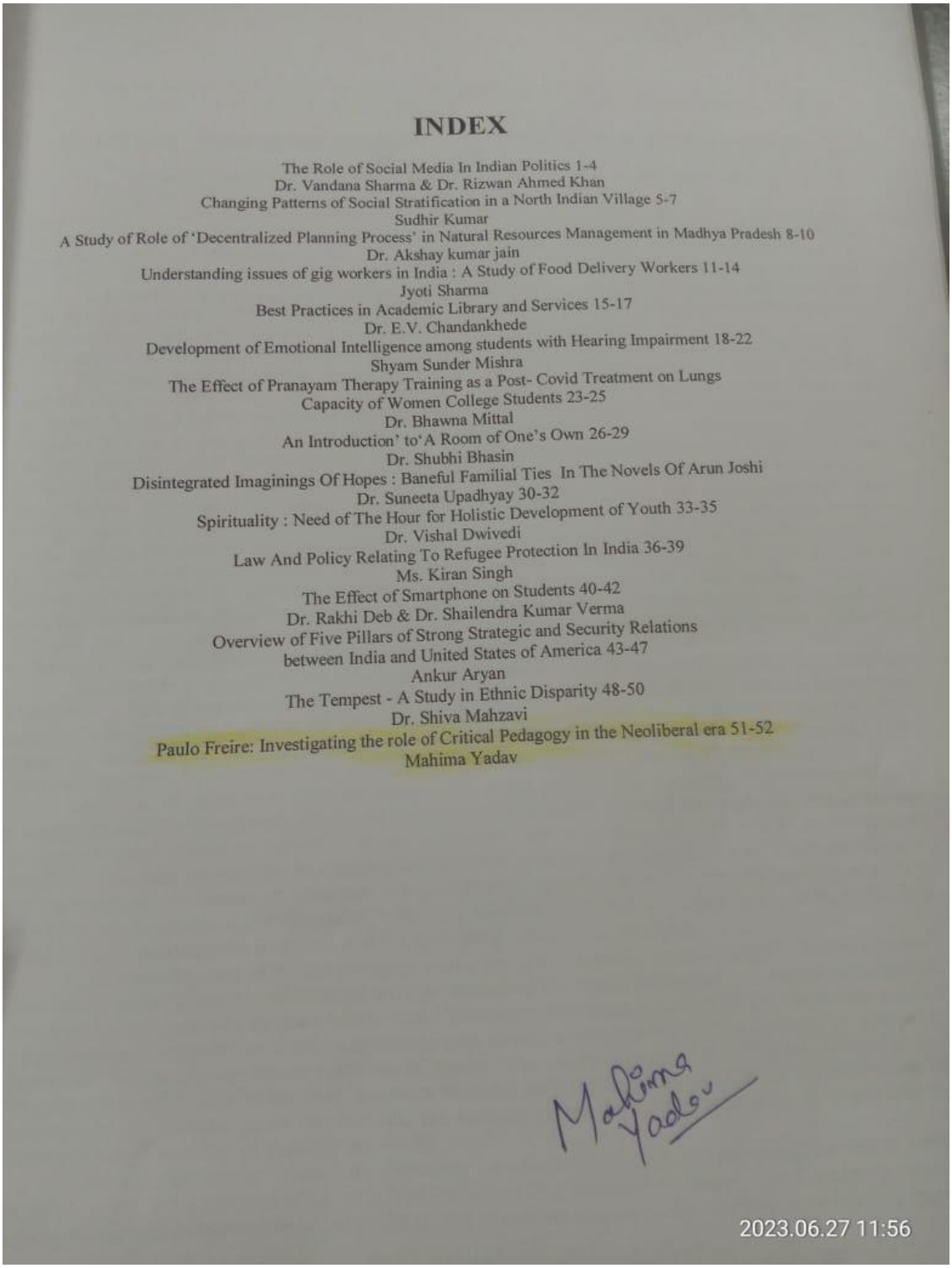

INDEX

The Role of Social Media In Indian Politics 1-4
Dr. Vandana Sharma & Dr. Rizwan Ahmed Khan
Changing Patterns of Social Stratification in a North Indian Village 5-7
Sudhir Kumar
A Study of Role of 'Decentralized Planning Process' in Natural Resources Management in Madhya Pradesh 8-10
Dr. Akshay kumar jain
Understanding issues of gig workers in India : A Study of Food Delivery Workers 11-14
Jyoti Sharma
Best Practices in Academic Library and Services 15-17
Dr. E.V. Chandankhede
Development of Emotional Intelligence among students with Hearing Impairment 18-22
Shyam Sunder Mishra
The Effect of Pranayam Therapy Training as a Post- Covid Treatment on Lungs Capacity of Women College Students 23-25
Dr. Bhawna Mittal
An Introduction' to'A Room of One's Own 26-29
Dr. Shubhi Bhasin
Disintegrated Imaginings Of Hopes : Baneful Familial Ties In The Novels Of Arun Joshi
Dr. Suneeta Upadhyay 30-32
Spirituality : Need of The Hour for Holistic Development of Youth 33-35
Dr. Vishal Dwivedi
Law And Policy Relating To Refugee Protection In India 36-39
Ms. Kiran Singh
The Effect of Smartphone on Students 40-42
Dr. Rakhi Deb & Dr. Shailendra Kumar Verma
Overview of Five Pillars of Strong Strategic and Security Relations between India and United States of America 43-47
Ankur Aryan
The Tempest - A Study in Ethnic Disparity 48-50
Dr. Shiva Mahzavi
Paulo Freire: Investigating the role of Critical Pedagogy in the Neoliberal era 51-52
Mahima Yadav

Mahima Yadav

2023.06.27 11:56

Dr. Anamika Kaushiva

April to June 2022
E-Journal
Volume I, Issue XXXVIII

RNI No. – MPHIN/2013/60638
ISSN 2320-8767, E-ISSN 2394-3793
Impact Factor - 6.780

Naveen Shodh Sansar

(An International Refereed/ Peer Review Research Journal)

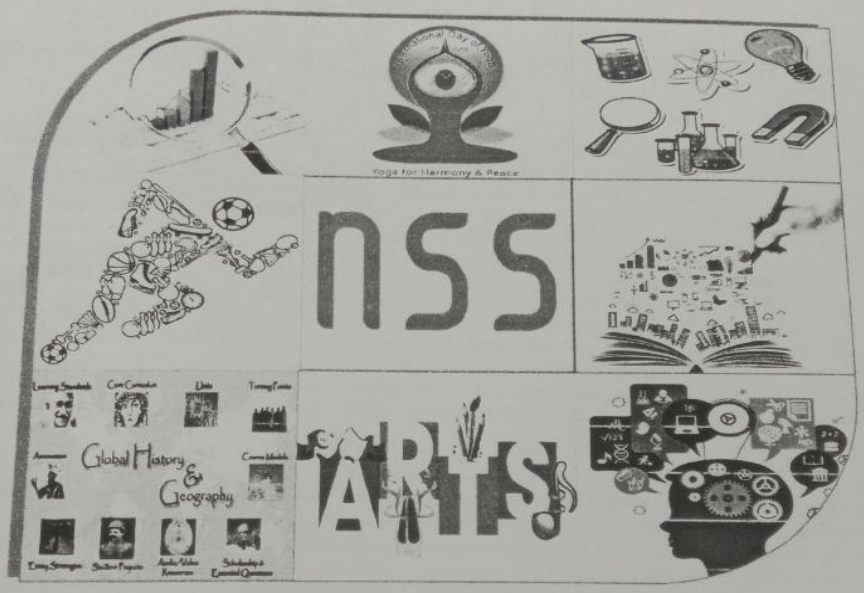

नवीन शोध संसार

Editor - Ashish Narayan Sharma

Office Add. "Shree Shyam Bhawan", 795, Vikas Nagar Extension 14/2, **NEEMUCH** (M.P.) 458441, (INDIA)
Mob. 09617239102, **Email** : nssresearchjournal@gmail.com, **Website** www.nssresearchjournal.com

2023.06.27 12:01

Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal)
RNI No. - MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Cosmos Impact Factor - 6.780
April to June 2022, E-Journal, Vol. I, Issue XXXVIII

Index/अनुक्रमणिका

01. Index/ अनुक्रमणिका 02
02. Regional Editor Board / Editorial Advisory Board 08/09
03. Referee Board 10
04. Spokesperson 12
05. Common Fixed Point Theorem in Polish Spaces (Bhawna Somani, Monika Parashar, Kapil Singhal) 14
06. FTIR Study of Weather Irradiated Black Agricultural Film (Dr. Vaishali Lal, Dr. ArunSikarwar) 17
07. A Study on Impact of Investors Psychology on Stock Market Performance (Dr. Samta Mehta) 20
08. A Comparative Study on Women's and Men's Approach on Investment and Retirement Planning (Dr. Rahul Kaushal) 24
09. The FMCG Sector in India–Impact of Covid-19 Pandemic and Strategies Adopted to Meet the Post Covid Challenges (Dr. Anamika Kaushiva) 28
10. Effectsof NSS Activities on Awareness of Personality Development in Girls (Dr. Bhavna Ramaiya) 33
11. Boys and Girls Recreational Interests and Fast Food: An Analysis in the Context of Sagar City (Dr. Aradhana Shrivas) 36
12. Analytical facts of Computer-Based Applications for Audit Account and Tax Services (Dr. Preeti Anand Udaipure) 40
13. Opium Trade of British East India Company with China: Assessing the Exploitation of India and China (Dr. Amita Sonker) 47
14. Effect of Arsenic on Human Health and Possible Prevention (Dr. Shobha Gupta) 50
15. Comparative Study of Involvement of Community and Family with Schoolsunder RMSA scheme in Katni and Rewa District (M.P) India (Dr. Gopal Krishna Rathore) 55
16. Impact of Technological Advances on the Environment (Dr. Rashmi Ahuja) 59
17. Effect of Heavy Metals on Soil Fertility (Dr. Sadhna Goyal) 61
18. कृषि वित्त में राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा प्रदत्त कृषि ऋणों का विश्लेषण एवं मूल्यांकन (बड़वानी जिले के विशेष संदर्भ में) (डॉ. सपना सोनी, रामकन्या मिड़े) 63
19. बाल यौन शोषण के लक्षण एवं पीड़ित बालक पर यौन शोषण का प्रभाव (मनीषा पटेल) 66
20. अभिज्ञानशाकुन्तल में रस निरुपण - एक समीक्षा (डॉ. नलिनी तिलकर) 68
21. बाबा नागार्जुन के उपन्यास 'वरूण के बेटे' का विश्लेषण (सामाजिक सरोकार के विशेष संदर्भ में) (डॉ. देवेन्द्रसिंह ठाकुर) 71
22. सोशल मीडिया व युवा विकास (डॉ. सुनीता भायल) 75
23. भिलाली और बारेली जनजाति में लोक विश्वास (डॉ. सी.एल.शर्मा, डॉ. शैलेन्द्र कुमार शर्मा, श्रीमती प्रज्ञा अवास्या) 78
24. बाँछड़ा समुदाय की स्त्रियों की सांस्कृतिक स्थिति का अध्ययन (नीमच जिले के विशेष संदर्भ में) (डॉ. मनु गौरहा, दीपक कारपेन्टर) 80
25. समाज में स्वास्थ्य एवं शिक्षा की भूमिका (डॉ. आरती कमेड़िया) 83
26. विद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में संगीत शिक्षा का प्रारंभ एवं उसका प्रभाव (शिवानी भार्गव) 85

Mrs. Seema Agarwal

Impact Factor-8.575 (SJIF)

ISSN-2278-9308

B.Aadhar

Peer-Reviewed & Referred Indexed

Multidisciplinary International Research Journal

March -2022

(CCCXLIV) 344 -K

WOMEN IN INDIA AND ABROAD

Chief Editor
rof. Virag S. Gawande
Director
Aadhar Social
esearch & Development
aining Institute Amravati

Editor
Dr. Rashmi
Head, Department of Sociology,
Radha Govind University,
Ramgarh, Jharkhand.

Editor
Dr. Baliram Pawar
Head, Department of Sociology
Mahatma Phule College Kingaon Latur
Maharashtra .413523

This Journal is indexed in :
- Scientific Journal Impact Factor (SJIF)
- Cosmos Impact Factor (CIF)
- International Impact Factor Services (IIFS)

For Details Visit To : www.aadharsocial.com

Aadhar Publications

B.Aadhar' International Peer-Reviewed Indexed Research Journal
Impact Factor -(SJIF) -8.575, ,Issue NO, 344 (CCCXLIV) K
ISSN : 2278-9308
March, 2022

INDEX-K

No.	Title of the Paper	Authors' Name	
1	कौटुंबिक हिंसाचार : एक समाजशास्त्रीय अभ्यास	प्रो. डॉ. वेदप्रकाश अविनाश मलवाडे	1
2	हुंडाबळी कायद्याचे समाजशास्त्रीय अध्ययन	प्रा. डॉ. रविंद्र [illegible]	5
3	एकल महिलाओं की स्थिति एवं दिशा	डॉ. कनिका पाण्डेय ,श्रीमती सीमा अग्रवाल,	10
4	लैंगिक अपराध एवं महिला जागरूकता: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन	डॉ. अवधेश चन्द्र मिश्रा	14
5	स्त्रियांची रजोनिवृत्ती	प्रा.श्रीमती.वंदना हरिभाऊ जाधव	18
6	महिला सशक्तिकरण आज की आवश्यकता और कानून	डॉ.सोनिका बघेल	27
7	बौद्धिक वाद	Dr. Dilip Shankarrao Patil , Mrs. Nalini Sanjay Gaikwad	30
8	महिला हिंसा का समाज एवं परिवार पर प्रभाव का अध्ययन रीवा नगर के विशेष संदर्भ मे	डॉ. गुंजन सिंह	33
9	मदर टेरेसा	प्रो. जया कुशवाह	39
10	परिवार मे कामकाजी महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन (बालाघाट जिले के विशेष संदर्भ में)	श्रीमती तृषा माहुले	43
11	तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो की परिवार एवं समाज में स्थिति छत्तीसगढ़ के संदर्भ में	डॉ लता मिश्रा	47
12	A Comparative Study of Educational and Behavioural problems of Mentally Retarded Children With Regard To Their All Round Development And Self-reliance.	Prof.Dr.Kishor J. Kshatriya	55
13	Globalization and Indian English Literature	Dr.Rajendra D.More	59
14	Women's Various Adjustmental Pproblems After Inter- Caste Marriagein Indian Society	Dr.Vaishali Malwar-Duke	61
15	पर्यावरण क्षरण और प्रदुषण	ज्योत्स्ना कुमारी	65
16	झारखण्ड राज्य में बालिका शिक्षा के संवर्धन में बालिका आवासीय विद्यालय की भूमिका : समस्या एवं समाधान	कुमकुम कुमारी , डॉ सतीश कुमार पाण्डेय	72
17	सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर की समस्या का एक अध्ययन रागिनी कुमारी	रागिनी कुमारी , डॉ. सतीष कुमार पाण्डेय	77
18	पर्यावरण एवं कृषि का नुतन खाका तय करता सतत् विकास	मंजु हेम्ब्रोम	82
19	Study of Statistical Mechanics And Thermodynamics Of Quasiparticle System	Mrs. Rupa Rani	87
20	The role of Art in Environment purification	Dileep Kumar Singh , Chanchal Upadhyay	90

Dr. Preeti Pathak

UGC Approved Journal No - 47168
ISSN 2231 – 413X

SP

A Multidisciplinary Quarterly International Refereed Research Journal

SHODH PRERAK

A Multidisciplinary Quarterly International Peer Reviewed Refereed Research Journal

http://shodhprerak.blogspot.com

Vol. - 11, Issue-III, July 2021

Chief Editor :
Dr. Shashi Bhushan Poddar

Editors :
Reeta Yadav
Pradeep Kumar

OLD UGC Approved Journal No – 47168
(IIJIF) Impact Factor - 3.234

ISSN 2231 – 413X

SHODH PRERAK

A Multidisciplinary Quarterly International *Peer Reviewed*
Refereed Research Journal

Chief Editor:
Dr. Shashi Bhushan Poddar

Editors:
Dr. Reeta Yadav
Dr. Pradeep Kumar

Volume 11 **Issue III** **July** **2021**

Published By:
VEER BAHADUR SEVA SANSTHA
LUCKNOW
Printed at:
F/70 South City, Rai Bareilly Road, Lucknow-226025
E-mail: shodhprerak@gmail.com, shodhprerakbbau@gmail.com
www. shodhprerak.com
Cell NO.: 09415390515, 09450245771, 08960501747
Cite this Volume as S/P, Vol. 11, Issue III, July 2021

प्रीति सिंह, शोध छात्रा, वाद्य विभाग, संगीत एवं मंच कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

- प्राचीन भारत का श्रेणीबद्ध शिल्प कर्म और उसका सामाजिक-आर्थिक आयाम 58-63
  रोशन राज, गवेषक, इतिहास विभाग, भू.ना. विश्वविद्यालय, मधेपुरा, बिहार
- गढ़वाल हिमालय के पशुचारक 64-69
  डॉ. विनोद सिंह फरस्वान, संविदा प्राध्यापक, इतिहास विभाग राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गैरसैण, चमोली उत्तराखण्ड
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की समस्याएं एवं उनका समाधान 70-72
  अभय कुमार निराला, शोधार्थी, अर्थशास्त्र विभाग, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)
- उत्तर प्रदेश की राजनीति में भाजपा की सहभागिता 73-75
  अरविन्द कुमार, शोधार्थी, राजनीतिशास्त्र विभाग, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (बिहार)
- प्रागैतिहासिक काल से समकालीन काल तक की कलोंतियों में लोक तत्वों और प्रतीकों का समावेश एवं उनकी अवधारणा 76-78
  प्रो. अजय कुमार जैतली, विभागाध्यक्ष, दृश्य कला विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
  प्रीति सिंह, शोध छात्रा, दृश्य कला विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
- पाक प्रायोजित आतंकवाद से जूझता भारतीय उपमहाद्वीप : क्षेत्रीय विकास और शांति की चुनौती 79-85
  डॉ. अरविन्द कुमार चतुर्वेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग, गनपत सहाय पी.जी. कालेज, सुलतानपुर
- भारत की विदेश नीति और भारत नेपाल सम्बन्ध 86-89
  डॉ. प्रीति पाठक, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, साहू राम स्वरुप महिला महाविद्यालय, बरेली
- ब्रिक्स समूह देशों का संरचनात्मक व्यापारः विश्लेषणात्मक अध्ययन 90-108
  मोनी सिंह, शोध छात्रा, अर्थशास्त्र विभाग, बयालसी पी. जी. कॉलेज जलालपुर, जौनपुर, उ.प्र. - २२२१३६ भारत.
  डॉ. प्रतिभा सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, बयालसी पी. जी. कॉलेज जलालपुर, जौनपुर, उ.प्र. - २२२१३६ भारत.
- बाल्यकाल में संगीत संस्कार : एक विश्लेषण 109-111
  डॉ. शशि शुक्ला, एसोसिएट प्रोफेसर, सा.रा.म. महाविद्यालय, बरेली
- निष्प्रभ आईना : डॉ. पी. एन. सिंह 112-117
  डॉ. शिखा तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, डी सी एस के पी जी कॉलेज मऊ
- हिन्दी नाटकः रंगभंग की लोकधारा और दलित 118-125
  डॉ. रोकश कुमार राम
- काश्मीर शैव दर्शन में परमशिव की लीला 126-130
  आकाश अवस्थी, शोध विद्यार्थी, दर्शनशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

UGC Approved Journal No - 48297

ISSN 2231 - 4113

Śodha Pravāha

A Multidisciplinary Peer Reviewed Refereed Research Journal

Vol. 12 Issue I January 2022

Chief Editor
Dr. S. K. Tiwari
Editor
Dr. S. B. Poddar

(IIJIF) Impact Factor - 4.262

Regd. No. : 1687-2006-2007

ISSN 2231-4113

Śodha Pravāha

(A Multidisciplinary Peer Reviewed Refereed Research Journal)

Editor : S. B. Poddar

Vol. 12

Issue I

JANUARY 2022

Chief Editor : S. K. Tiwari

Academic Staff College
Banaras Hindu University,
Varanasi-221005, INDIA

E-mail : sodhapravaha@gmail.com

www.sodhapravaha.com

Contents

- **Humanism in William Wordsworth's Poetry** 1-3
  Dr. Shashikala Vishwakarma, Assistant professor, English, M.H.P.G. College, Jaunpur
- **Agri-Startpus In India- Promoting Innovation** 4-9
  Dr. Anjani Srivastava, Chief –Editor Anvesha- A Multidisciplinary e-journal for all Researches
- **A Comparative Study of Job Satisfaction between Physical Education and Non Physical Education Teachers of Schools of Purvanchal** 10-13
  Rakesh Kumar Yadav, Research Scholar, VBS Purvanchal Vishwavidhalay, Jaunpur (U.P.)
  Dr. Anurag Singh, Associate Professor, PG College Ghazipur, VBS Purvanchal Vishwavidhalay, Jaunpur (U.P.)
- **Anti Defection Law in India: Issues and Challenges** 14-19
  Dr. Preeti Pathak, Associate Professor, Department of Political Science, Sahu Ram Swaroop Mahila Mahavidyalay, Bareilly
- **Trend and Pattern of Indian Industries during 1961-2020** 20-25
  Dr. Ram Bhadra Tripathi, Assistant Professor/In charge, Department of Economics, Pt. J. L. N. College, Banda, Uttar Pradesh
- **Analysis of The Text *Eine frau in Berlin* as a Traumatic Memory** 26-31
  Giyan Chand, Research Scholar, Centre of German Studies, Jawaharlal Nehru Univer, New Delhi, 110067.
- **Hierarchical Model of Emotional Intelligence** 32-35
  Dr. Madhu Bala, Assistant Professor, R.B.S College, Agra
  Dr. Neetu Chaudhary, Lecturer, GGIC, Badaun
- **Wheat Cultivars Screening against Foliar Blight Disease Caused by Drechslera sorokiniana (Ito & Kurib.) Drechsler ex Dastur.** 36-40
  Mritunjay Singh, Ph.D. Scholar, Plant Pathology, P.G. College, Ghazipur
  Dr. Satyendra Nath Singh, Assoc.Professor, Deptt. of Plant Pathology, P.G. College, Ghazipur
- **Perception of Secondary School Teachers Towards Digital Platforms Education During The Covid-19 Pandemic In Bihar** 41-45
  Sangita Kumari, Research Scholar, St. Xavier's College of Education (Autonomous), Digha Ghat Patna 11
  Dr. Sushil Kumar Singh, Associate Professor, St. Xavier's College of Education (Autonomous), Digha Ghat Patna 11
- **Path of Humanitarianism in the Current Global Context Through Cognition and Mindfulness** 46-50
  Saurabh Kumar Suman, PG Department of Philosophy, Vinoba Bhave University, Hazaribag, Jharkhand (India)

Dr. Radha Yadav

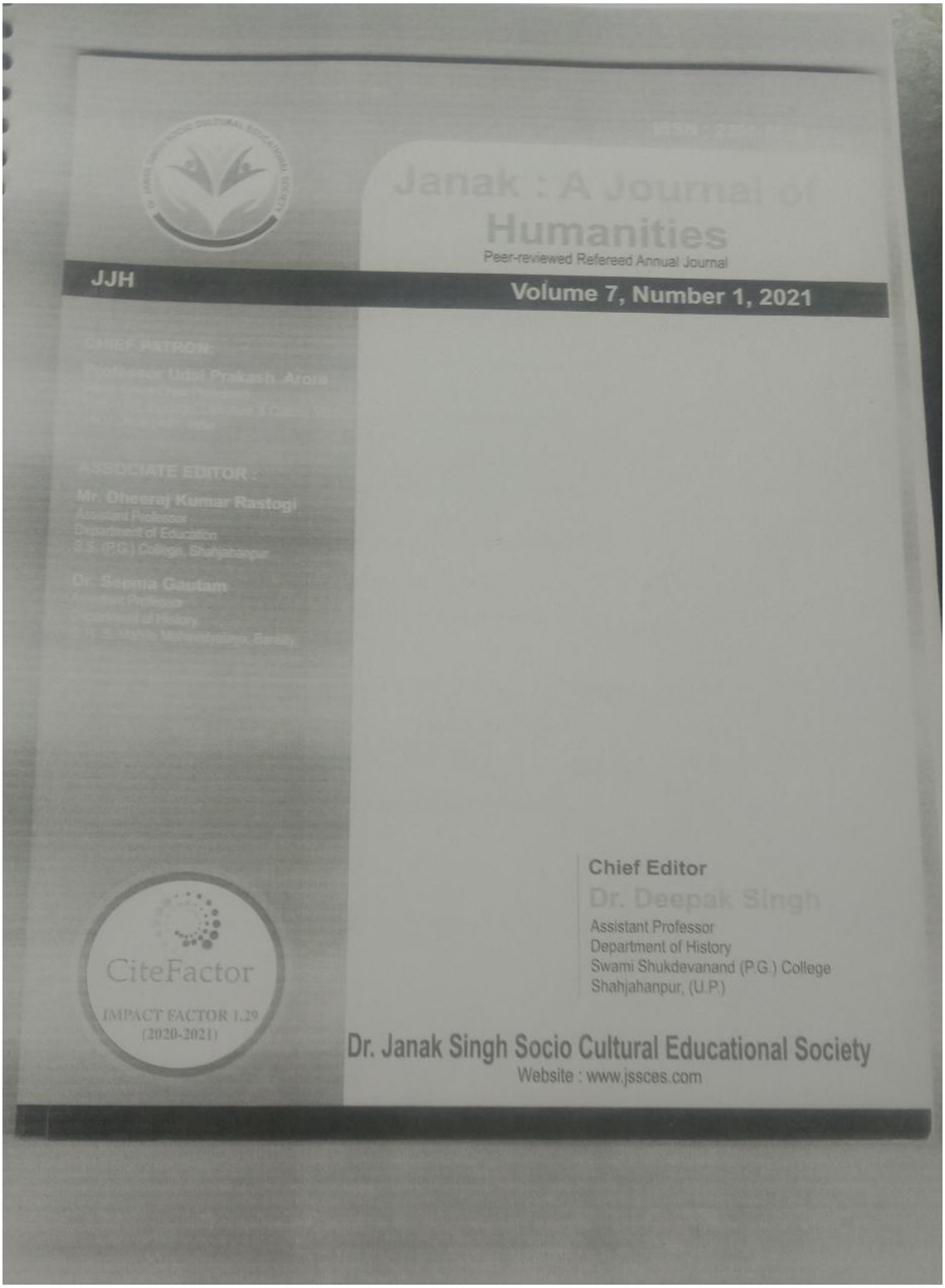

Year : 7, Vol. : VII
No. : 1, 2021

ISSN : 2395-4078

JANAK : A JOURNAL OF HUMANITIES

अनुक्रमणिका

1. Cooperative and Competitive Federalism — 1-3
Rajnish Kumar Srivastava

2. Social and Religious Concern in the Poetry of A.K.Ramanujan — 4-6
Raj Bahadur Yadav

3. Women's Status and Role from Vedic Age to Modern Age — 7-14
J. C. Arya, Komal Devi

4. A Critical Study of The Protection of Environmental Laws of India and in International Perspective — 15-25
Amit Singh, LakshLata Prajapati

5. Self Help Groups a Game Changer in Women's Lives in Bihar — 26-33
Pooja Thakur

6. Role of Information Technology Systems in Managing Retail Supply Chain in Critical Situations — 34-47
Kamal Kishor Pandey, NidhiVarhney, Megha Bhatia,

7. Role of Co-Operative Banks in Empowerment of Women: Special Reference to Uttar Pradesh — 48-52
Vikash Singh

8. Naxalism: Some Reasons and Some Solutions -A Sociolegal Analysis — 53-55
Shailesh Kumar Singh

9. समकालीन भारतीय दर्शन की स्थापनायें और जीवन — 56-59
ए.सी. त्रिपाठी

10. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में गांधीजी के शिक्षा दर्शन की प्रासंगिकता — 60-62
राधा यादव

11. देवपुत्र बाल पत्रिका में पर्यावरणीय चेतना का स्वर — 63-66
अनीता

12. भारतीय सामाजिक संरचना पर पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव–एक समाजशास्त्रीय अध्ययन — 67-70
अरुणकान्त पाण्डेय

13. स्वयं सहायता समूह बनायेगें स्कूलों की ड्रेस — 71-7
पुष्पेन्द्र कुमार

Dr. Jyoti Sharma

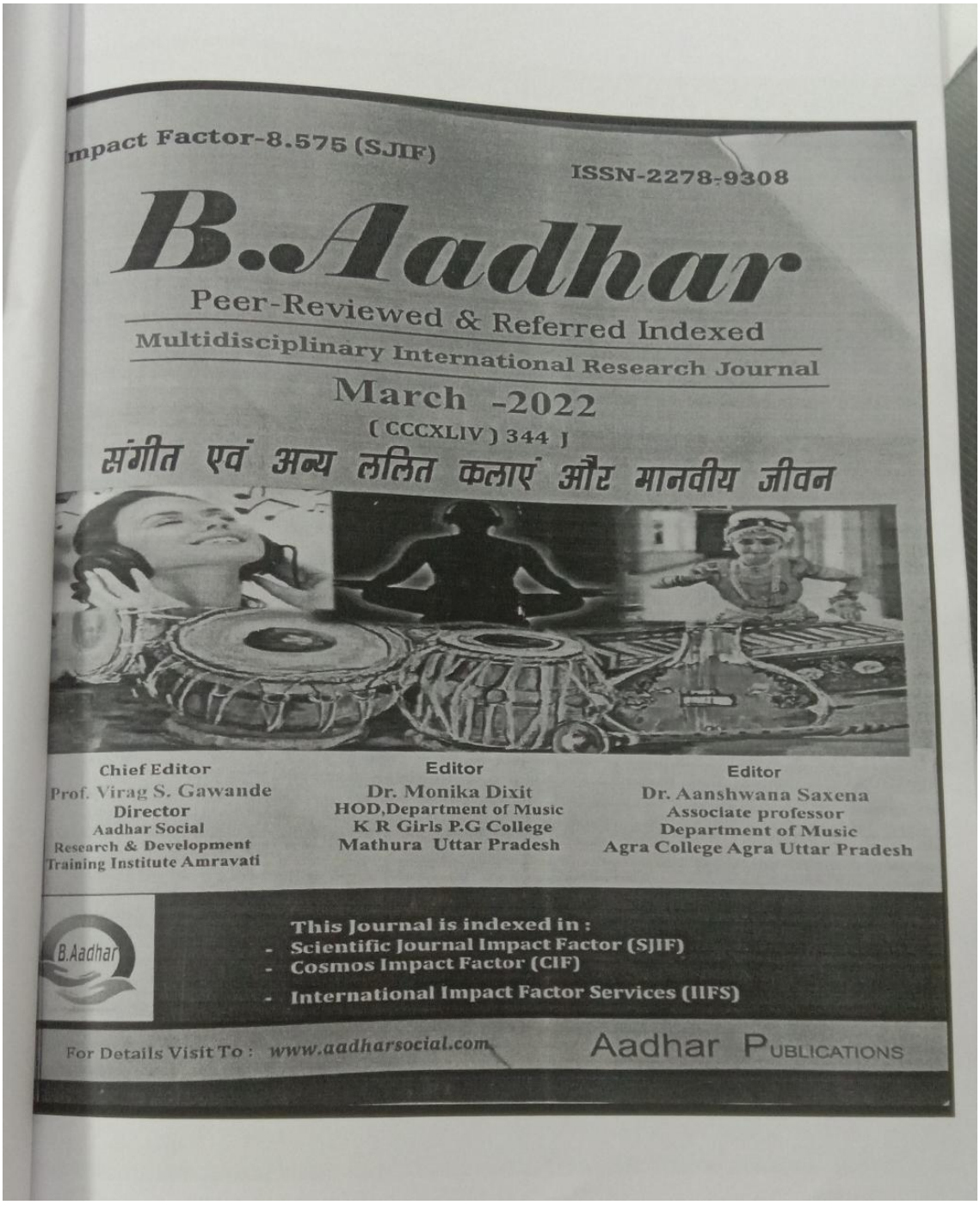

B.Aadhar' International Peer-Reviewed Indexed Research Journal
Impact Factor -(SJIF) -8.575,Issue NO. 344 (CCCXLIV) - J
ISSN : 2278-9308
March, 2022

INDEX

No.	Title of the Paper — Authors' Name	
1	प्राचीन परंपराएं एवं ललित कलाएं — डॉ सीमा बंसल	1
2	भारतीय धर्म में सांगीतिक विचार धाराएं — अंकित श्रीवास्तव	3
3	ताल के दस प्राण में मानव जीवन की सफलता के सूत्र : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन — डॉ.गोपाल कुमार मिश्रा	7
4	सितारवादिका मंजू नन्दन मेहता — भारतीय शास्त्रीय संगीत को देन — भावना मीणा	14
5	भारतीय संस्कृति एवं ललित कलाओं का अंतर्संबंध — डॉ. अनिता रानी	19
6	संगीत की अवलंबित नृत्य—नाटिका एवं उनका बदलता स्वरूप — डॉ. ज्योति शर्मा	23
7	वर्तमान काल में ध्रुपद की प्रासंगिकता — डॉ. विशाल जैन ,अंजू पाण्डेय	28
8	हिंदी साहित्य के नाटक एवं काव्य में संगीत का योगदान — रूमी जायसवाल	33
9	मनोविकारों में सहायक ललित कलाएं — डॉ.एस. व्ही शिंदे	37
10	हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जनपद में रास अथवा स्वांगलोकनाट्य—एक अवलोकन — डॉ. लाल चंद	40
11	जयशंकर प्रसाद के काव्य में संगीत तत्व की खोज — शीला देवी	45
12	जैन योग: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन — डॉ. अम्बरीष राय	49
13	भारतीय संस्कृति एवं ललित कलाओं का अन्तः सम्बन्ध — डॉ. निष्ठा शर्मा	53
14	भारतीय संगीत में तोड़ी थाट तथा राग तोड़ी में प्रयुक्त होने वाले सौन्दर्य मूलक तत्व व विशेषतायें — रेनूबाला	59
15	कोरोनाकाल में उत्तम स्वास्थ्य के लिए संगीत एवं योग — डॉ. शैली शर्मा	62
16	मनोविकारो में सहायक संगीत — डॉ संगीता श्रीवास्तव	67
17	मानसोल्लास में संगीत के अवयव : गायन और वादन — डॉ. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी ,डॉ. सुलेखा जादौन	71
18	मानसिक स्वास्थ्य और संगीत एवं योग — डॉ. सीमा कौशिक	76
19	ब्रह्मावर्त क्षेत्र की लोक कलाऐं, लोक संस्कृति एवं लोक गीत — एक संक्षिप्त परिचय — डॉ आस्थबना सक्सेना	78

Mrs. Anita

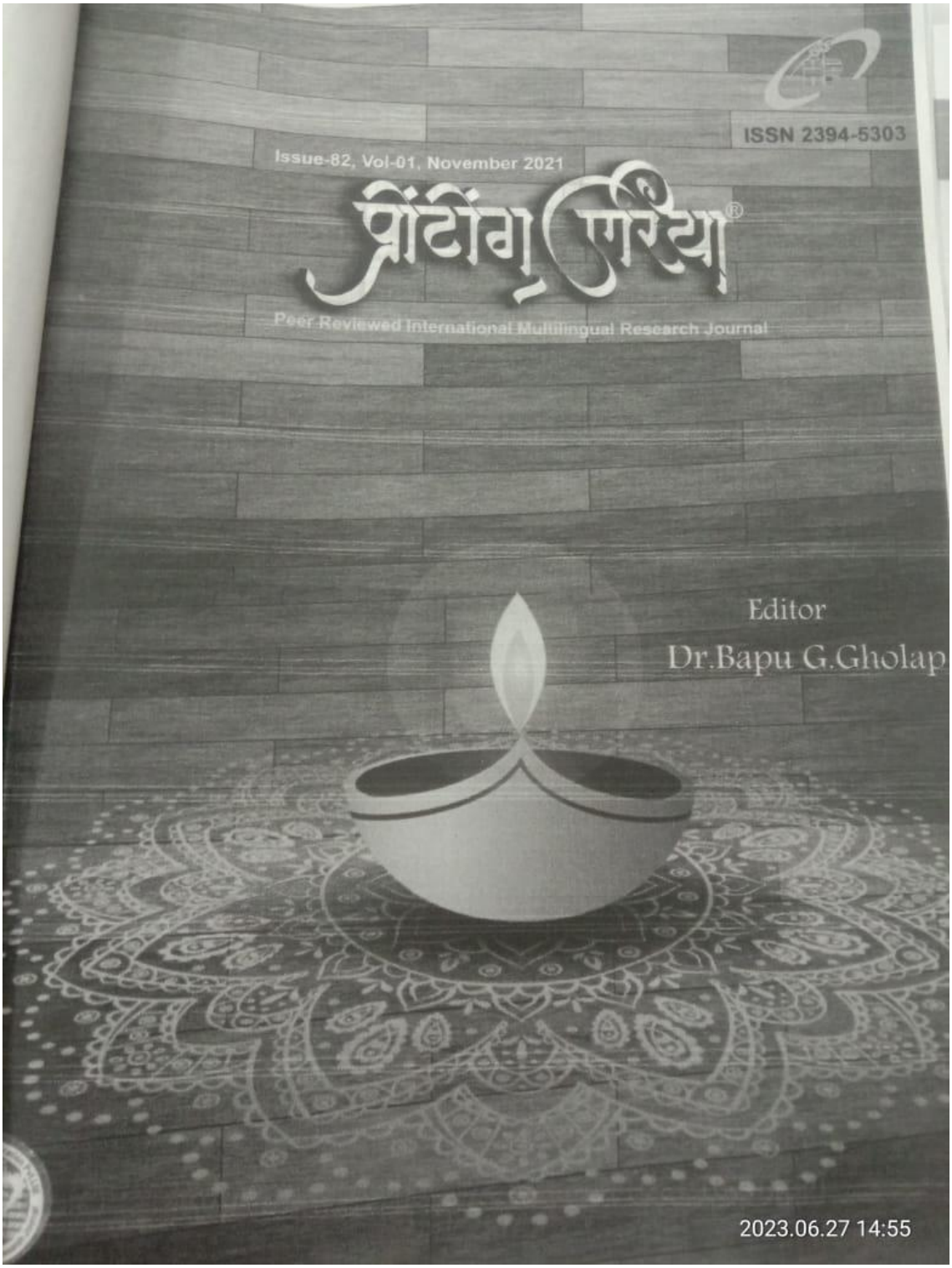
ISSN 2394-5303
Issue-82, Vol-01, November 2021
प्रींटिंग एरिया
Peer Reviewed International Multilingual Research Journal
Editor
Dr.Bapu G.Gholap
2023.06.27 14:55

ISSN: 2394 5303 | Impact Factor 7.891 | Printing Area® Peer-Reviewed International Journal | November 2021 Issue-82, Vol-01 | 01

2023.06.27 14:55

आंतरराष्ट्रीय बहुआयामिक शोध पत्रिका

प्रिंटिंग एरिया

Printing Area International Interdisciplinary Research Journal in Marathi, Hindi & English Languages

November 2021, Issue-82, Vol-01

Editor
Dr. Bapu g. Gholap
(M.A.Mar.& Pol.Sci.,B.Ed.Ph.D.NET.)

"Printed by: **Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.** Published by **Ghodke Archana Rajendra** & Printed & published at Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.,At.Post. Limbaganesh Dist,Beed -431122 (Maharashtra) and Editor **Dr. Gholap Bapu Ganpat**.

Reg.No.U74120 MH2013 PTC 251205

Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
At.Post.Limbaganesh,Tq.Dist.Beed
Pin-431126 (Maharashtra) Cell:07588057695,09850203295
harshwardhanpubli@gmail.com, vidyawarta@gmail.com

All Types Educational & Reference Book Publisher & Distributors / www.vidyawarta.com

13) भालचंद्र नेमाडे यांच्या 'कोसला' कांदबरीतील लेखनशैलीचे स्वरूप
प्रा.डॉ.रवींद्र मु.पगार, जि.नाशिक ||50

14) मानसिक स्वास्थ, यश आणि आनंदी जीवन जगण्याच्या माळेतील मणी ...
डॉ. शुभांगी अविनाश रोडे, नागपूर ||52

15) कोरोना काळात नागपूरातील स्थलांतरित असंघटीत मजुरांच्या परिस्थितीचे अध्ययन
डॉ. अनिल आनंद सरगर, नागपूर ||55

16) चंद्रपूर जिल्हयातील ग्रामीण व शहरी माध्यमिक विद्यार्थ्यांची विज्ञान अभिवृत्ती व ...
डॉ. शिवराम एम. सातपुते, चंद्रपूर (म.रा.) ||60

17) नौकरशाही कडून नव लोकव्यवस्थापनाकडे
हनुमान मुंजाप्पा वांकर, औरंगाबाद ||62

18) पूर्वोत्तर भारत के लोकगीत: अरुणाचल प्रदेश की आदी समाज के विशेष संदर्भ में
यांकी ताग्गु, वर्धा ||66

19) पर्यावरण प्रदूषित क्षेत्र तथा कम प्रदूषित क्षेत्र के विद्यालयों के विद्यार्थियों की ...
डॉ. सुरेखा जैन, उज्जैन ||69

20) पर्यावरण: सामाजिक धार्मिक तथा सांस्कृतिक संदर्भ में
प्रा.डॉ. यशवंते शोभा जगन्नाथराव, जालना ||71

21) बिलासपुर जिले में सामाजिक क्षेत्र मे जनजाति साक्षरता पर एक अध्ययन
सुलोचन सिदार, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) ||74

22) भारत में जनजाति संबंधी अवधारणा एवं भाषा का एक अध्ययन
डॉ. हेमसागर पटेल, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) ||76

23) महिला सशक्तिकरण
अमन कुमार, दिल्ली ||78

24) बाल पत्रिका और संस्कारों का अप्रतूत: 'देवपुत्र'
अनीता, बरेली, उत्तर प्रदेश ||80

25) नारी शक्ति और देश का विकाश उज्जवल भारत और महिला शक्ति
आराधना, करैरा–शिवपुरी (म.प्र.) ||85

www.vidyawarta.com/03 | http://www.printingarea.blogspot.com
2023.06.27 14:55

ISSN : 2395-4078

Janak : A Journal of Humanities

Peer-reviewed Refereed Annual Journal

JJH

Volume 7, Number 1, 2021

CHIEF PATRON:

Professor Udai Prakash Arora
(Retd. Greek Chair Professor)
School of Language, Literature & Culture Studies
J.N.U., New Delhi, India

ASSOCIATE EDITOR :

Mr. Dheeraj Kumar Rastogi
Assistant Professor
Department of Education
S.S. (P.G.) College, Shahjahanpur

Dr. Seema Gautam
Assistant Professor
Department of History
S. R. S. Mahila Mahavidyalaya, Bareilly

CiteFactor
Academic Scientific Journals
IMPACT FACTOR 1.29
(2020-2021)

Chief Editor
Dr. Deepak Singh
Assistant Professor
Department of History
Swami Shukdevanand (P.G.) College
Shahjahanpur, (U.P.)

Dr. Janak Singh Socio Cultural Educational Society
Website : www.jssces.com

Year : 7, Vol. : VII
No. : 1, 2021

ISSN : 2395-4078

JANAK : A JOURNAL OF HUMANITIES

अनुक्रमणिका

1. Cooperative and Competitive Federalism — 1-3
Rajnish Kumar Srivastava

2. Social and Religious Concern in the Poetry of A.K.Ramanujan — 4-6
Raj Bahadur Yadav

3. Women's Status and Role from Vedic Age to Modern Age — 7-14
J. C. Arya, Komal Devi

4. A Critical Study of The Protection of Environmental Laws of India and in International Perspective — 15-25
Amit Singh, LakshLata Prajapati

5. Self Help Groups a Game Changer in Women's Lives in Bihar — 26-33
Pooja Thakur

6. Role of Information Technology Systems in Managing Retail Supply Chain in Critical Situations — 34-47
Kamal Kishor Pandey, NidhiVarhney, Megha Bhatia,

7. Role of Co-Operative Banks in Empowerment of Women: Special Reference to Uttar Pradesh — 48-52
Vikash Singh

8. Naxalism: Some Reasons and Some Solutions -A Sociolegal Analysis — 53-55
Shailesh Kumar Singh

9. समकालीन भारतीय दर्शन की स्थापनायें और जीवन — 56-59
ए.सी. त्रिपाठी

10. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में गांधीजी के शिक्षा दर्शन की प्रासंगिकता — 60-62
राधा यादव

11. देवपुत्र बाल पत्रिका में पर्यावरणीय चेतना का स्वर — 63-66
अनीता

12. भारतीय सामाजिक संरचना पर पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव–एक समाजशास्त्रीय अध्ययन — 67-70
अरुणकान्त पाण्डेय

13. स्वयं सहायता समूह बनायेगें स्कूलों की ड्रेस — 71-73
पुष्पेन्द्र कुमार

Dr. Sushma Pal

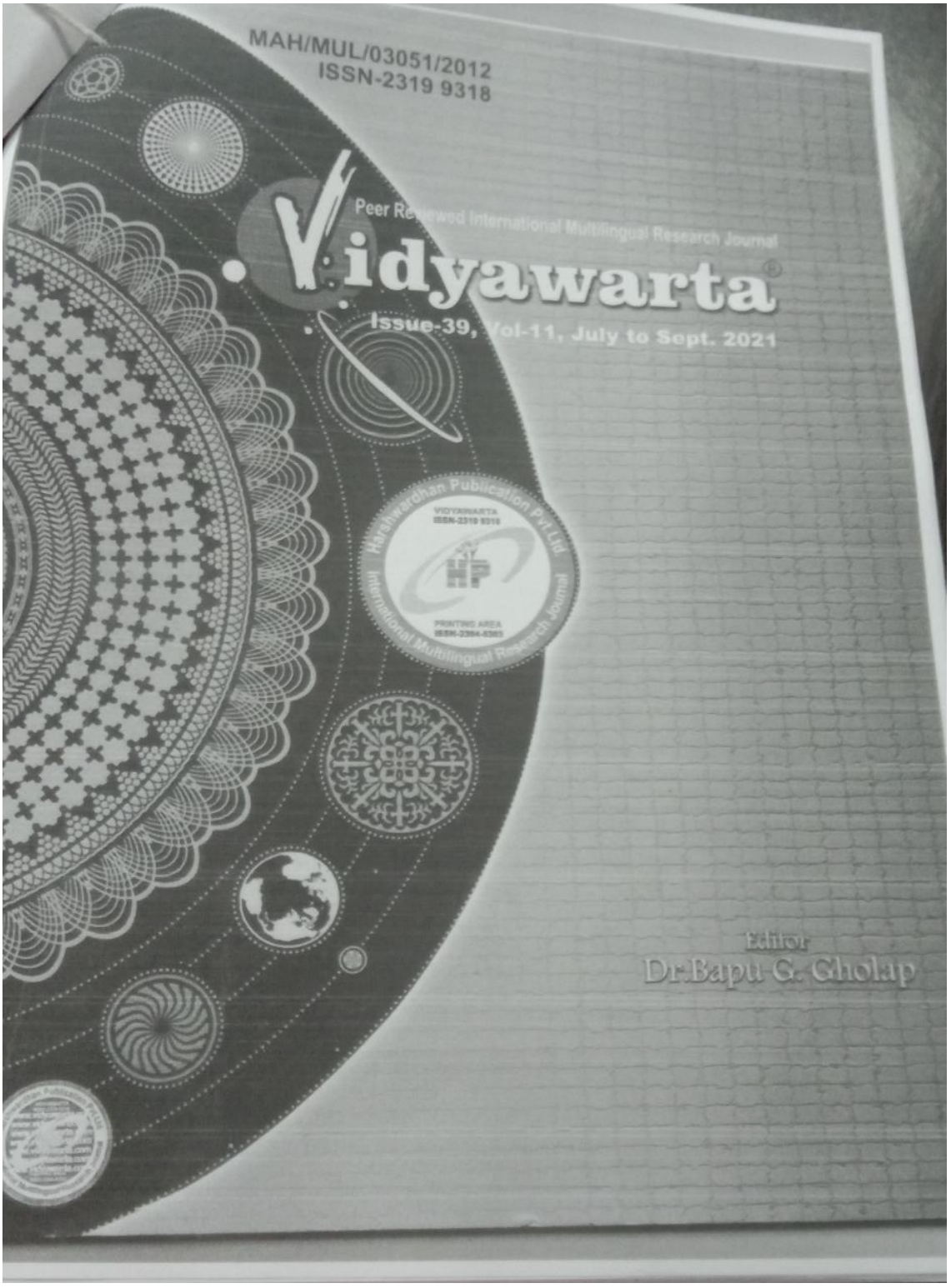
MAH/MUL/03051/2012
ISSN-2319 9318
Peer Reviewed International Multilingual Research Journal
Vidyawarta
Issue-39, Vol-11, July to Sept. 2021
Harshwardhan Publication Pvt.Ltd
Editor
Dr.Bapu G. Gholap

MAH MUL/03051/2012
ISSN: 2319 9318

Vidyawarta®
Peer-Reviewed International Journal

July To Sept. 2021
Issue-39, Vol-11

INDEX

01) Plagiarism Detection Tools
Dadpe Devidas Eknathrao, Dist.Beed(M.S.) ||09

02) A Correlation Study between Emotional Intelligence and Academic ...
Kirti Lokhande & Dr. Chitra Sharma, Bhopal ||13

03) UTTARAKHAND GLACIER BURST AND AFTERMATH
Dr. Dinesh Kumar Patidar, Jhabua (MP) ||18

04) भारतीय समाजव्यवस्थेतील महिलांच्या समस्या
प्रा.डॉ.संबोधी एम. देशपांडे, चोपडा ||22

05) पर्यावरणाच्या शाश्वत विकासाबाबत युवकात असलेली जाणीव – एक अभ्यास
डॉ. बालाजी रंगनाथराव लाहोरकर, जिल्हा बुलडाणा ||25

06) विसाव्या शतकातील स्वातंत्र्यानंतरचे महाराष्ट्रातील प्राथमिक शिक्षण
नयना मधुकरराव मेहेसरे, चंद्रपूर ||27

07) आदिवासी साहित्य : प्रेरणा, स्वरूप, व्याप्ती
डॉ. गोविंद गायकी, बुलडाणा ||29

08) उपनिषदों में प्रतिपादित कतिपय नैतिक मूल्य
डॉ. रेखा अरोड़ा ||34

09) वाल्मीकि रामायण में सामाजिक शिष्टाचार और आतिथ्यसत्कार की प्रासंगिकता
मनु कुशवाह, ग्वालियर (म.प्र.) ||37

10) झारखण्ड के बराकर नदी में जल प्रदूषण एवं उससे निर्मित स्वास्थ्य समस्याएँ
अनुराधा लकड़ा, रामगढ़ (झारखण्ड) ||40

11) कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती
डॉ. राणी बापू लोखंडे, पुणे ||43

12) मंजुल भगत की कहानियों में बाल–मनोविज्ञान के विविध पक्ष
डॉ. सुषमा पाल, बरेली ||45

www.vidyawarta.com/03 http://www.printingarea.blogspot.com

ISSN : 0975-3664
RNI : U.P.BIL/2012/43696

शोध धारा
SHODH DHARA

कला और मानविकी का त्रैमासिक, पीयर रीव्यूड, रेफर्ड एवं यू.जी.सी. केयर लिस्टेड, शोध जर्नल
[A Quarterly Peer Reviewed, Reffered, UGC Care Listed, Bi-lingual (Hindi & English) Research Journal of Arts & Humanities]

Year : 2021 **Month : Sep** **Vol. 3**

प्रधान संपादक
Chief Editor
डॉ0 (श्रीमती) नीलम मुकेश
Dr. (Smt.) Neelam Mukesh

62

संपादक
Editor
डॉ0 राजेश चन्द्र पाण्डेय
Dr. Rajesh Chandra Pandey

प्रकाशक : शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई (जालौन), उ0प्र0
Published by : Shaikshik Avam Anusandhan Sansthan, Orai (Jalaun) U.P.

ISSN : 0975-3664 RNI : U.P.BIL/2012/43696

शोध धारा
SHODH-DHARA

कला और मानविकी का त्रैमासिक, पीयर रिव्यूड, रेफर्ड एवं यूजीसी केयर लिस्टेड शोध जर्नल (साहित्य, कला और संस्कृति पर केंद्रित)
(A quarterly peer reviewed, referred, U.G.C. care listed research journal of Art & Humanities)

Year 2021 September Vol. 3

अनुक्रम Contents

शीर्षक	लेखक	पृ०सं०
शोध आलेख		
हिन्दी साहित्य		1-103
१. असमिया लोकगीतों में असम का इतिहास	दिगंत बोरा	1-6
२. बीसवीं सदी का अर्द्ध शतक और स्त्री मुद्दे : हिन्दी साहित्य के संदर्भ में	रश्मि	7-13
३. 'अपने–अपने चेहरे' उपन्यास के केन्द्रीय चरित्र का विश्लेषण	नम्रता	14-18
४. समकालीन हिन्दी कविता में राजनीति के दरकते नैतिक तटबन्ध	डॉ० प्रतिमा सिंह	19-26
५. अष्टछापीय कवि नन्ददास के काव्य में अलंकार–विधान	डॉ० सुषमा पाल	27-34
६. निर्गुण भक्ति और कबीरदास	डॉ० जगदम्बाप्रसाद दुबे	35-40
७. गुंडा : आत्मोत्सर्ग की शौर्यगाथा	डॉ० समरेन्द्र कुमार	41-46
८. पंडित दीनदयाल कृत 'जगद्गुरु शंकराचार्य' में अभिव्यक्त भारत राष्ट्र की पृष्ठभूमि	डॉ० वीरेन्द्र कुमार मीणा	47-51
९. मालती जोशी की कहानियों में मध्यवर्गीय नारी का चित्रण	डायमंड साहू डॉ० रमणी चंद्राकर	52-55
१०. कांगड़ा जनपदीय लोकरामायण में सीता के गीतों की गाथा का ऐतिहासिक सन्दर्भ	डॉ० मंजू ठाकुर	56-58
११. प्रेमचन्द के उपन्यासों में किसान जीवन	अनुपम आनन्द	59-62
१२. जयशंकर प्रसाद का काव्य–सौष्ठव	डॉ० गौकरण प्रसाद जायसवाल	63-70
१३. जनतंत्र की प्रतीक्षा में धूमिल	अतुल कुमार	71-75
१४. राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान	डॉ० इन्दुमती दुबे	76-80
१५. वीर रस के पुरोधाकवि भूषण	डॉ० माधुरी पाण्डेय गर्ग	81-90
१६. उच्चादर्श प्रेमी : सुमित्रानन्दन पन्त	डॉ० ऊषा तिवारी	91-97
१७. मैत्रेयी पुष्पा की आत्मकथा और स्त्री संवेदना	डॉ० अनिल कुमार विश्वकर्मा	98-103

33

महिला कथाकारों के कथा साहित्य में स्त्री–पुरुष सम्बन्धों का यथार्थ

डॉ. सुषमा पाल
एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
हिंदू कॉलेज, मुरादाबाद

सारांश

(महिला कथाकारों ने समाज एवं परिवार में निरन्तर होने वाले परिवर्तनों का अपने कथा साहित्य में सूक्ष्म अंकन किया है। तीव्रता से परिवर्तित होते परिवेश, परम्परा और जाग्रति के बदलते प्रतिमानों ने उनकी अनुभूति एवं संवेदना को प्रभावित किया है। कथाकारों ने स्त्री–पुरूष सम्बन्धों की परिवर्तित स्थितियों को व्यक्ति अनुभूति एवं संवेदना के धरातल पर अभिव्यक्त किया है। जिसमें जीवन सत्यों एवं यथार्थ के अत्यन्त संवेदनशील पक्षों को उद्घाटित किया गया है।स्वतन्त्रता के पश्चात् समाज के परिवर्तित मूल्यों ने स्त्री और पुरुष के परम्परागत रूप को विकृत कर दिया है। वर्तमान में स्त्री स्वतन्त्र व्यक्तित्व के साथ पुरुष के समक्ष प्रश्न बनकर खड़ी है। उसके लिए प्रेम आस्था नहीं, पलभर की अनुभूति है। महिला कथाकारों ने स्त्री–पुरूष सम्बन्धी बदलती स्थितियों एवं मान्यताओं को गहराई से देखा, परखा एवं सूक्ष्मता के साथ अंकित किया है। यह यथार्थ चित्रण नैतिक मूल्यों पर आघात अवश्य करता है किन्तु निरन्तर परिवर्तित होते व्यक्ति के दृष्टिकोण को व्यक्त करने की अनिवार्यता भी सिद्ध करता है। वस्तुत. महिला कथाकारों ने युग संवेदना एवं बदलते जीवन मूल्यों को पूरे यथार्थ के साथ चित्रित करने का प्रयास किया है।)

आधुनिक नारी की बदलती बौद्धिक चेतना, नये जीवन मूल्यों की स्थापना तथा आधुनिकता का आग्रह स्त्री पुरुष को उस बिन्दु पर ले आया है जहां उनके परम्परागत सम्बन्धों पर प्रश्नचिन्ह लग गए है। स्वतन्त्रता और बाद के तेजी से बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण की परिस्थितियों, नारी के आत्मनिर्भर, आत्मनिर्णायक होने की नयी स्थितियों ने उसके स्वरूप और मानसिक गठन को और परिणामत: पुरूष के साथ उसके सम्बन्धों को भी बदला है १. अर्थोपार्जन में पुरुष की सहयोगिनी बनकर जहा उसने अपने अस्तित्व को नवीन आयाम दिए, वहीं परम्परागत बधनों एवं वर्जनाओं को तिलांजलि दे दी। स्त्री के स्वतन्त्र अस्तित्व के साथ ही पारस्परिक सम्बन्धों के धरातल पर भिन्न–भिन्न स्थितियां और कोण उभरने लगें२। महिला कथाकारों ने स्त्री–पुरुष सम्बन्धों के दोहरे प्रतिमानों को चुनौती देते हुए स्त्री की स्वतन्त्र सत्ता की स्थापना पर बल दिया है। महिला कथाकारों ने समाज एवं परिवार में निरन्तर होने वाले परिवर्तनों का अपने कथा साहित्य में सूक्ष्म अंकन किया है। तीव्रता से परिवर्तित होते परिवेश, परम्परा और जाग्रति के बदलते प्रतिमानों ने उनकी अनुभूति एवं संवेदना को प्रभावित किया है। कथाकारों ने स्त्री–पुरूष सम्बन्धों की परिवर्तित स्थितियों को व्यक्ति अनुभूति एवं संवेदना के धरातल पर अभिव्यक्त किया है। जिसमें जीवन सत्यों एवं यथार्थ के अत्यन्त संवेदनशील पक्षों को उद्घाटित किया गया है।

प्रेमी–प्रेमिका सम्बन्ध

परिवर्तित परिवेश और स्त्री चेतना के कारण प्रेम सम्बन्धों में परिवर्तन दृष्टिगत होता है। पुराने कथाकारों के समक्ष प्रेम का स्तर वायावी ही रहा। आदर्श, बलिदान की वेदी पर रखा प्रेम एक अलौलिक वस्तु बन गया था जो आज दैवीय एवं इन्द्रियातीत धारणा से उतर कर वास्तविकता के धरातल पर आ गया है। जो प्रेमी शरीर को गौण और आत्मा को अमर मानकर जीवन भर प्रेम करने का दावा करते थे। वे आज जीवन यथार्थ की कसौटी पर कसने के पश्चात ही प्रेम की महत्ता स्वीकार करते है। मन्नू जी ने प्रेमी–प्रेमिका सम्बन्धों को भावुकता, रोमांचकता और अलौकिकता की कल्पना से नीचे लाकर यथार्थ के धरातल पर चित्रित किया है। चश्मे कहानी में शैल से अथाह प्रेम का दावा करने वाला निर्मल वर्मा शैल के टी.बी. ग्रस्त होते ही उसके प्रेम–सम्मोहन से मुक्त हो जाता है। शैल

27) महाकवि भास की वर्णन कला और शैली
डा.देवेन्द्र दत्त पैन्यूली, उत्तरकाशी, उत्तराखंड ||119

28) स्वामी दयानन्द सरस्वती एक शिक्षाविद्
डॉ० हरिशचन्द्र, आगरा ||124

29) बालश्रम एक मूल्यांकन
जसवीर शाक्य ||132

30) ग्रामीण महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता एक समाजशास्त्रीय अध्ययन
नन्दिनी गौतम ||135

31) मन्नू भण्डारी के 'एक इंच मुस्कान' उपन्यास की ''अमला'' का मनोवैज्ञानिक ...
डॉ. सुषमा पाल, बरेली ||138

32) छत्तीसगढ़ में आयु एवं लिंग संरचना : एक भौगोलिक अध्ययन
डॉ. आर. के. पटेल, जिला कोरबा (छ.ग.) ||144

33) मध्ययुगीन भक्ति काल में संतों की देन
Dr. K. R. Shashikala Rao, Bangalore ||147

34) महिला एवं उसके कानूनी अधिकार मिशन शक्ति (१७ अक्टूबर २०२० से २२ ...
— डॉ. सरस्वती, मुरादाबाद, उ.प्र. ||150

35) पंचायती राज योजनाओं के क्रियान्वयन के प्रति जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के ...
शैलेश कुमार सिंह & डॉ० मनमीत कौर, बरेली, उ०प्र० ||153

36) वैश्विक महामारी कोरोना में पर्यावरण संरक्षण
जूही उपाध्याय, उदयपुर, राजस्थान ||157

37) राजनीति में महिलाओं की स्थिति
बाबू कान्त चंदन, मधेपुरा ||161

38) स्वास्थ्य की स्थिति
नीलम कुमारी, मधेपुरा ||165

39) मीडिया का महिलाओं पर प्रभाव
मो. सद्दाम हुसेन, मधेपुरा ||169

http://www.printingarea.blogspot.com
www.vidyawarta.com/03

Dr. Pratibha Pandey

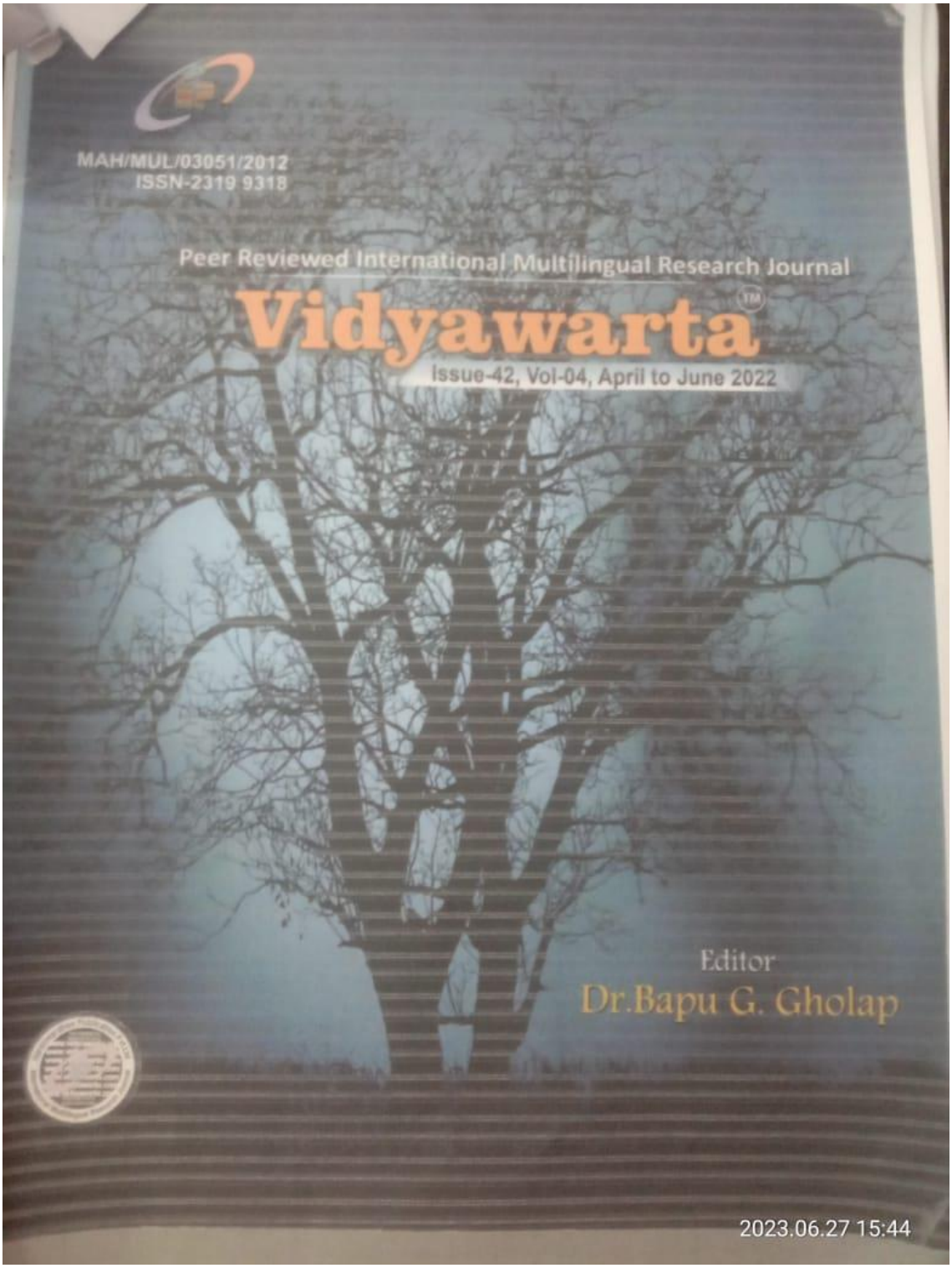
MAH/MUL/03051/2012
ISSN-2319 9318
Peer Reviewed International Multilingual Research Journal
Vidyawarta
Issue-42, Vol-04, April to June 2022
Editor
Dr.Bapu G. Gholap
2023.06.27 15:44

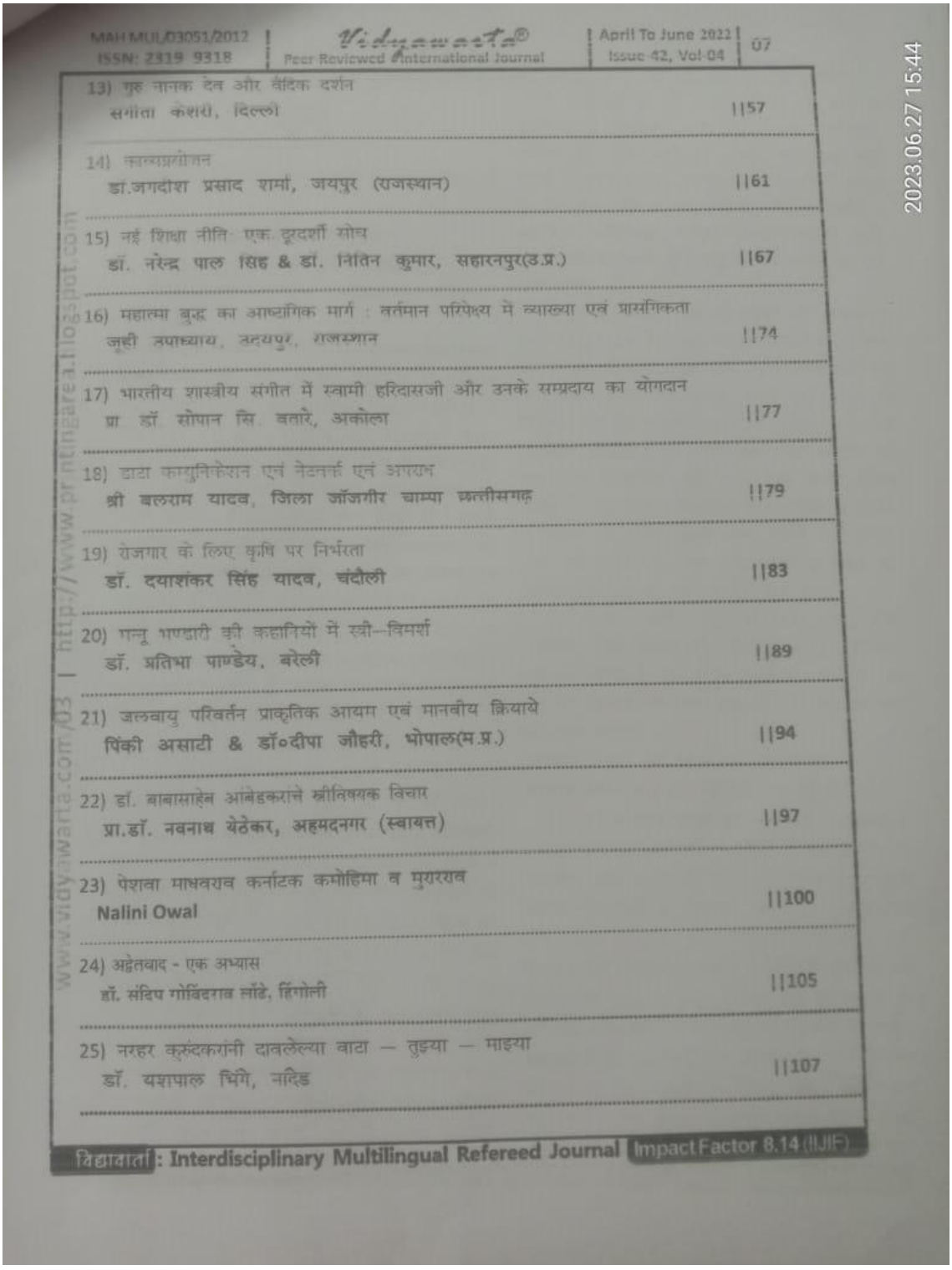

13) गुरु नानक देव और वैदिक दर्शन
सगीता केशरी, दिल्ली ||57

14) कान्यप्रयोजन
डा.जगदीश प्रसाद शर्मा, जयपुर (राजस्थान) ||61

15) नई शिक्षा नीति: एक दूरदर्शी सोच
डॉ. नरेन्द्र पाल सिंह & डॉ. नितिन कुमार, सहारनपुर(उ.प्र.) ||67

16) महात्मा बुद्ध का आष्टांगिक मार्ग : वर्तमान परिपेक्ष्य में व्याख्या एवं प्रासंगिकता
जूही उपाध्याय, उदयपुर, राजस्थान ||74

17) भारतीय शास्त्रीय संगीत में स्वामी हरिदासजी और उनके सम्प्रदाय का योगदान
प्रा डॉ सोपान सि. वतारे, अकोला ||77

18) डाटा कम्युनिकेशन एवं नेटवर्क एवं आयाम
श्री बलराम यादव, जिला जॉजगीर चाम्पा छत्तीसगढ़ ||79

19) रोजगार के लिए कृषि पर निर्भरता
डॉ. दयाशंकर सिंह यादव, चंदौली ||83

20) मन्नू भण्डारी की कहानियों में स्त्री--विमर्श
डॉ. प्रतिभा पाण्डेय, बरेली ||89

21) जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक आयाम एवं मानवीय क्रियाये
पिंकी असाटी & डॉ०दीपा जौहरी, भोपाल(म.प्र.) ||94

22) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांचे स्त्रीविषयक विचार
प्रा.डॉ. नवनाथ येठेकर, अहमदनगर (स्वायत्त) ||97

23) पेशवा माधवराव कर्नाटक कमोहिमा व मुरारराव
Nalini Owal ||100

24) अद्वैतवाद - एक अभ्यास
डॉ. संदिप गोविंदराव सोंडे, हिंगोली ||105

25) नरहर कुरुंदकरांनी दावलेल्या वाटा — तुझ्या — माझ्या
डॉ. यशपाल भिंगे, नदिड ||107

www.vidyawarta.com/03 | http://www.printingare1.blogspot.com
2023.06.27 15:44

Dr. Priti Verma

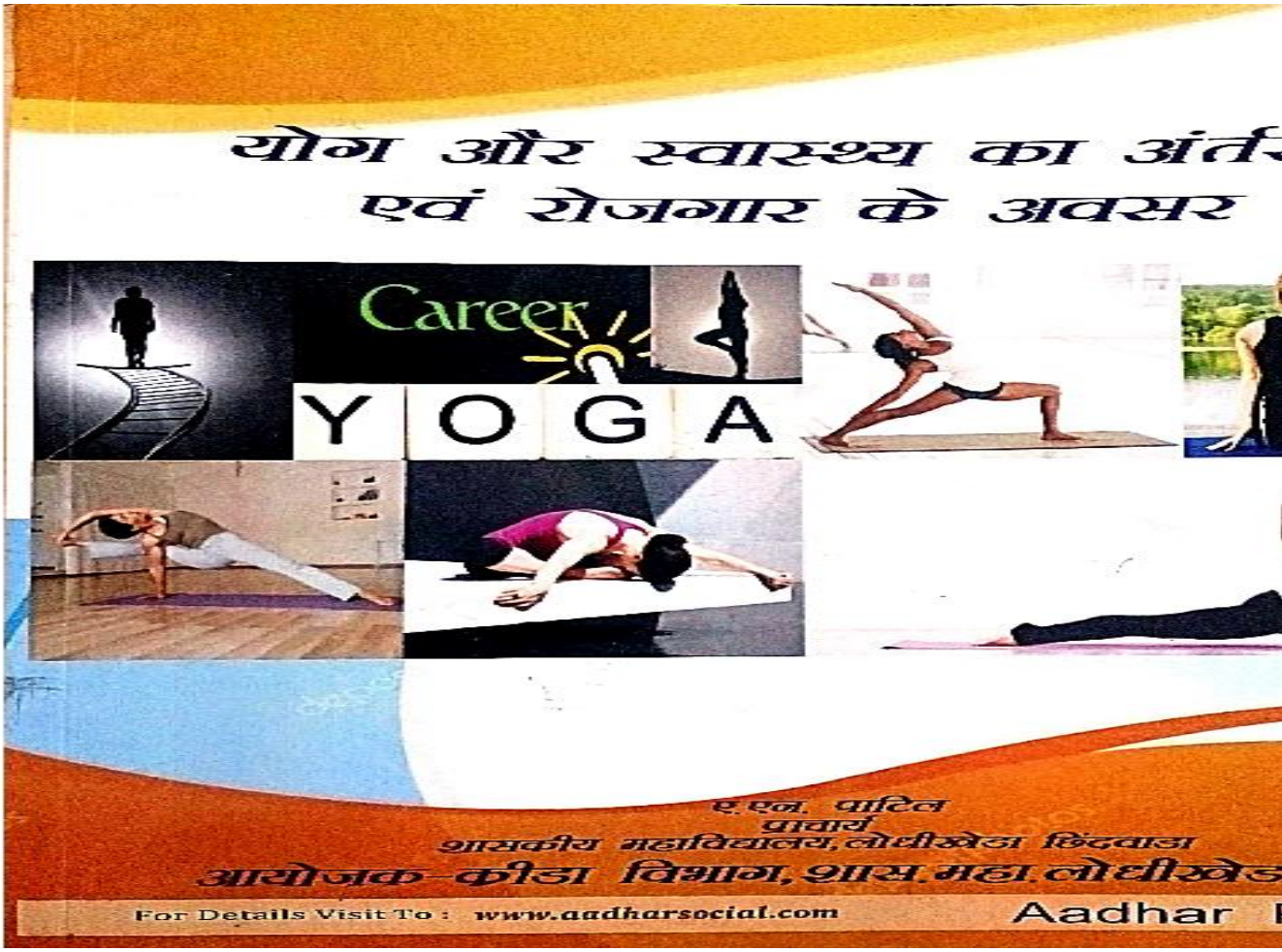

Dr. Kanika Pandey

Reg. No. 694/2009-10 Impact Factor : 5.029
Anukriti (An International Peer Reviewed Refereed Research Journal), Vol. 10, No. 11, November 2020 ISSN : 2250-1193

Necessity of Health Care in Rural Areas **Dr. Sushma Singh**	71-74
सारांग **डॉ0 शिशिर चन्द उपाध्याय**	75-76
Gratitude and Well-being: A Review and Theoretical Integration **Dr. Manju Mishra**	77-83
हिन्दी–नेपाली भक्ति साहित्य के आधार स्तम्भ : तुलसीदास और भानुभक्त **डॉ0 सत्य प्रकाश तिवारी**	84-86
[illegible] ও উত্তরাধিকার **ড. দেবাশিস দত্ত**	87-90
ग्रामीण भारत में महिलाएं **शिवानी भौमिक**	91-94
आधुनिक अवधी कविताओं मे चित्रित किसान **डॉ0 मंजरी खन्ना**	95-98
Budget in the Uttar Pradesh Legislative Assembly **Suman Mishra**	99-104
वैश्वीकरण के दौर में इलैक्ट्रोनिक मीडिया और उसके सामाजिक सरोकार **डॉ0 ऋतु दीक्षित**	105-107
कौशल विकास एवं युवा सशक्तिकरण **डॉ० अखिलेश कुमार सिंह**	108-110
Deliberations on Inception of American Feminist Theatre **Dr. Divya Pande**	111-116
महिला उत्पीडन का समाजशास्त्र **डॉ० अनीता देवी एवं डॉ0 कनिका पाण्डेय**	117-119
Self Help Groups **Dr. Sanjita Agarwal & Dr. Anita Devi**	120-122

Self Attested
Kanika Pandey

B.Aadhar International Peer-Reviewed Indexed Research Journal
Impact Factor -(SJIF) –8.575, Issue NO, 344 (CCCXLIV) K
ISSN : 2278-9308
March, 2022

INDEX-K

No.	Title of the Paper	Authors' Name	
1	कौटुंबिक हिंसाचार : एक समाजशास्त्रीय अभ्यास	प्रो. डॉ. वेदप्रकाश अविनाश मलवाडे	1
2	हुंडाबळी कायद्याचे समाजशास्त्रीय अध्ययन	प्रा. डॉ. रविंद्र विठोबा विखार	5
3	एकल महिलाओं की स्थिति एवं दिशा	डॉ. कनिका पाण्डेय ,श्रीमती सीमा अग्रवाल,	10
4	लैंगिक अपराध एवं महिला जागरूकता: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन	डॉ. अवधेश चन्द्र मिश्रा	14
5	स्त्रियांची रजोनिवृत्ती	प्रा.श्रीमती.वंदना हरिभाऊ जाधव	18
6	महिला सशक्तिकरण आज की आवश्यता और कानून	डॉ.सोनिका बघेल	27
7	बौद्धिक वाड	Dr. Dilip Shankarrao Patil , Mrs. Nalini Sanjay Gaikwad	30
8	महिला हिंसा का समाज एवं परिवार पर प्रभाव का अध्ययन रीवा नगर के विशेष संदर्भ मे	डॉ. गुंजन सिंह	33
9	मदर टेरेसा	प्रो. जया कुशवाह	39
10	परिवार में कामकाजी महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन (बालाघाट जिले के विशेष संदर्भ में)	श्रीमती तृषा माहुले	43
11	तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियो की परिवार एवं समाज में स्थिति छत्तीसगढ के संदर्भ में	डॉ लता मिश्रा	47
12	A Comparative Study of Educational and Behavioural problems of Mentally Retarded Children With Regard To Their All Round Development And Self-reliance.	Prof.Dr.Kishor J. Kshatriya	55
13	Globalization and Indian English Literature	Dr.Rajendra D.More	59
14	Women's Various Adjustmental Pproblems After Inter- Caste Marriagein Indian Society	Dr.Vaishali Malwar-Duke	61
15	पर्यावरण क्षरण और प्रदुषण	ज्योत्स्ना कुमारी	65
16	झारखण्ड राज्य में बालिका शिक्षा के संवर्धन में बालिका आवासीय विद्यालय की भूमिका : समस्या एवं समाधान	कुमकुम कुमारी , डॉ सतीश कुमार पाण्डेय	72
17	सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर की समस्या का एक अध्ययन रागिनी कुमारी	रागिनी कुमारी , डॉ. सतीष कुमार पाण्डेय	77
18	पर्यावरण एवं कृषि का नुतन खाका तय करता सतत् विकास	मंजु हेम्ब्रोम	82
19	Study of Statistical Mechanics And Thermodynamics Of Quasiparticle System	Mrs. Rupa Rani	87
20	The role of Art in Environment purification	Dileep Kumar Singh , Chanchal Upadhyay	90

Self Attested
Kavi Pandey

Reg. No. 694/2009 (I)
Anukriti (An International Peer Reviewed Refereed Research Journal), 12, No. 1, January 2022
Impact Factor : 5.029
ISSN : 2250-1193

	Religious Attitude of Shah Jahan **Subia Hashmat**	69-71
	The History of Indian Taxation System **Uttam Solanki, Dr. S.P. Singh & Nishant Singh**	72-76
	मानव शरीर–प्राप्ति **डॉ0 शिशिर चन्द्र उपाध्याय**	77
	धर्मवीर भारती के कथा साहित्य मे जीवन मूल्य **नन्दिनी**	78-80
	प्राचीन कालीन महिला के परिप्रेक्ष्य मे वर्तमान कालीन महिला सशक्तिकरण **डॉ0 प्रभाकर लाल**	81-84
	ডস্টয়েভস্কির উপন্যাস : ভাঁড় ও ইডিয়টের অস্তিত্ববাধ **ড. দেবাশিস দত্ত**	85-86
	भारत में कामकाजी महिलाओं की समस्यायें एवं समाधान : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन **डॉ0 चन्द्रप्रभा**	87-90
	आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना और पंडित दीनदयाल उपाध्याय **डॉ0 मलकीयत सिंह**	91-93
	रसमंजरी मे संक्षिप्त नायक निरूपण **डॉ0 लाल बहादुर**	94-96
	समावेशी शिक्षा के संदर्भ में आर0टी0ई0 एक्ट 2009 तथा आर0पी0डब्ल्यू0डी0 एक्ट 2016 के प्रति प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों की जागरूकता का अध्ययन **वन्दना त्यागी एवं प्रो0 संजय सोनकर**	97-103
	न्यायदर्शने कथायाः समालोचनात्मकविमर्शः **सौभिकनस्करः**	104-106
	परिवार कल्याण की राष्ट्रीय नीति के प्रति जनजातीय महिलाओं की अभिवृत्ति का अध्ययन **डॉ0 कनिका पाण्डेय एवं डॉ0 मिथिलेश कुमार चौबे**	107-112

Self Attested
Kanika Pandey

- सोशल साइट और नव संस्कृति — 60-61
  दिग्विजय त्रिपाठी, शोध छात्र, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी।
- कोरोना काल में भारतीय समाज की समस्या — 62-66
  डॉ. मैत्रेयि सिंह, असि. प्रो. समाजशास्त्र अंतर्रा पी. जी. कॉलेज, अतर्रा (बाँदा)
- भारतीय सामाजिक परिप्रेक्ष्य में घरेलू हिंसा — 67-69
  डॉ. कनिका पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, साहूराम स्वरूप महिला महाविद्यालय, बरेली, उ.प्र.
- बिहार प्रांत के निर्माण में सर सैयद अली इमाम का योगदान : एक ऐतिहासिक पुनर्विलोकन — 70-74
  पुनम कुमारी, शोधार्थी, इतिहास विभाग, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना
  डॉ. निखिल कुमार सिंह, शोध पर्यवेक्षक, इतिहास विभाग, जगत नारायण लाल कॉलेज, खगौल, पटना
- वैष्णव धर्म : उद्भव और विकास — 75-80
  बलजीत बिहारी, यू.जी.सी. नेट, प्रा.भ.इ. एवं पुरातत्व विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना
  डॉ. बदर आरा, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष , प्रा.भ.इ. एवं पुरातत्व विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना
- केन-बेतवा सम्पर्क परियोजना : एक भौगोलिक मूल्यांकन — 81-89
  डॉ. पूनम मिश्रा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर (भूगोल), ज्वाला देवी विद्या मन्दिर परास्नातक महाविद्यालय (छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय), कानपुर (उत्तर प्रदेश)।
- रिलांयस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन — 90-95
  अखिलेश गुप्ता, शोध छात्र, वाणिज्य संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–221005
  डॉ. के. के. मिश्रा, प्रोफेसर, वाणिज्य संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–221005
- मनरेगा से महिलाओं का ग्रामीण परिवेश पर प्रभाव — 96-99
  डॉ. मनवीर सिंह नेगी, सहायक प्रोफेसर, एस. जी. आर. आर. विश्वविद्यालय, देहरादून (उत्तराखंड)

Self Attested
Kavika Pandey

- भारतीय राजनैतिक व्यवस्था में जनता दल की भूमिका 53-61
  डॉ. लक्ष्मी कुमारी, शोध निर्देशिका, एसासेसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, जे.डी.वीमेंस कॉलेज, पटना
  नवरत्न कुमार, मकान सं - १७०/७ उत्तरी आनन्दपुरी पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना
- बाल श्रमिकों के पृष्ठभूमि (आयाम) का विश्लेषणात्मक अध्ययन 62-71
  डॉ. सुनील कुमार सुमन, सहायक प्राध्यापक (अतिथि शिक्षक), मनोविज्ञान विभाग, डी. बी. कॉलेज जायनगर, मधुबनी
- भारत के आर्थिक विकास में महिलाओं का योगदान 72-78
  डॉ. रत्न प्रकाश द्विवेदी, सहायक आचार्य-भूगोल, खरडीहा-महाविद्यालय, खरडीहा, गाजीपुर।
- "पिछड़े मुसलमानों की राजनैतिक स्थिति" (एक समाजशास्त्री अध्ययन) 79-81
  जश्न परवेज, ग्राम+पो.-बनतारा, थाना-देवकुंड, जिला-औरंगाबाद
- भारत में राजनैतिक दलों का सामाजिक संगठन 82-87
  अनामिका कुमारी, शोध छात्रा (राजनीति विज्ञान), मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
- महिला श्रमिकों की समस्या एवं समाधान 88-92
  प्रियंका कुमारी, अतिथि शिक्षक, अर्थशास्त्र विभाग, रामचरित्र सिंह महाविद्यालय, मंझौल (L.N.M.U.DBG)
- भारत में महिला सशक्तिकरण : एक ऐतिहासिक अध्ययन 93-102
  पंकज सिंह कुशवाहा, शोध छात्र, राजनीति विज्ञान विभाग, स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, गाजीपुर
- किशोरावस्था में बालिकाओं का पोषण और स्वास्थ्य 103-110
  पूजा पल्लवी, असि. प्रो. गृह विज्ञान, गया प्रसाद स्मारक राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बारी, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश
- भारत के संविधान में मौलिक अधिकार राज्य के कानून : एक संवैधानिक अध्ययन 111-120
  डॉ. सुखवीर सिंह, (विधि विभाग) आगरा कालेज आगरा।
- भारतीय समाज में जाति की भूमिका 121-124
  डॉ. कनिका पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर, साहू रामस्वरूप महिला महाविद्यालय, बरेली, उ.प्र.

Self Attested
Kanika Pandey

UGC Approved Journal No. 49321
Shodh Drishti (An International Peer Reviewed Refereed Research Journal). Vol. 13. No. 6. June. 2022

Impact Factor : 5.427
ISSN : 0976-6650

७	महिला : अतीत से वर्तमान की ओर **धारणा शर्मा एवं डॉ० उमा बहुगुणा**	136-142
७	भारतीय संगीत के सृजन में सिन्धु काल से मौर्य काल का अनुशीलन **मोनिका सिंह एवं डॉ० पारुल दीक्षित**	143-148
७	गोपालगंज जिला के सेवा केन्द्रों का समावेशी विकास के सापेक्ष : एक भौगोलिक अध्ययन **बिकाश कुमार पाण्डेय एवं रूबी कुमारी**	149-156
७	इक्कीसवीं सदी की कहानियों में सामाजिक सन्दर्भ **संजय कुमार**	157-158
७	आधा गांव और राही **सुधीर कुमार**	159-160
७	आचार्य मम्मट का काव्य–लक्षण : एक समीक्षा **गौरी**	161-164
७	शिक्षित वर्ग की बेरोजगारी में मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन (बक्सर एवं भोजपुर जिले के संदर्भ में) **संजय कुमार सिंह एवं डॉ0 अजय कुमार**	165-168
७	समकालीन समाज में युवतियों के बदलते मूल्य **डॉ0 कनिका पाण्डेय एवं डॉ0 अनीता देवी**	169-171
७	नाथ परंपरा और हिंदी साहित्य **गणेश चंद्र शाह**	172-174

Self Attested
Kavita Pandey

Dr. Beena Yadav

Jai Maa Saraswati Gyandayini: An International Multidisciplinary e-Journal
Area: Multidisciplinary: Social Sciences, Law, Arts & Humanities.

Spiritual Philosophy in the Poetry of Sri Aurobindo

Dr. Beena Yadav, Assistant Professor,
Department of English, Sahu Ram Swaroop Mahila Mahavidyalaya, Bareilly, M. J. P. Rohilkhand University, Bareilly, (U.P.), India
ORCID: https://orcid.org/0000-0003-4449-3428
Email: beenasrspg@gmail.com

Electronic version
URL: http://www.jmsjournals.in
DOI: https://doi.org/10.53724/jmsg/v7n1.06
ISSN: **2454-8367**
Vol. 7, Issue-I, July 2021
Page No. **33 - 38**

Publisher
Welfare Universe

Electronic reference/Article is to be Cited:
Dr. Beena Yadav (2021). Spiritual Philosophy in the Poetry of Sri Aurobindo. Jai Maa Saraswati Gyandayini: An International Multidisciplinary e-Journal ISSN **2454-8367**, 7(I), 33–38. https://doi.org/10.53724/jmsg/v7n1.06

©Jai Maa Saraswati Gyandayini: An International Multidisciplinary e-Journal 2021. This Open Access article is published under a Creative Commons Attribution Non-Commercial 4.0 International License https://creativecommons.org/licenses/by-nc/4.0/, which permits non-commercial reuse, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. For citation use the DOI. For commercial re-use, please contact editor email:-

Jai Maa Saraswati Gyandayini: An International Multidisciplinary e-Journal
ISSN: 2454-8367
Vol.7, Issue-I, July 2021
Published on: 30th July 2021

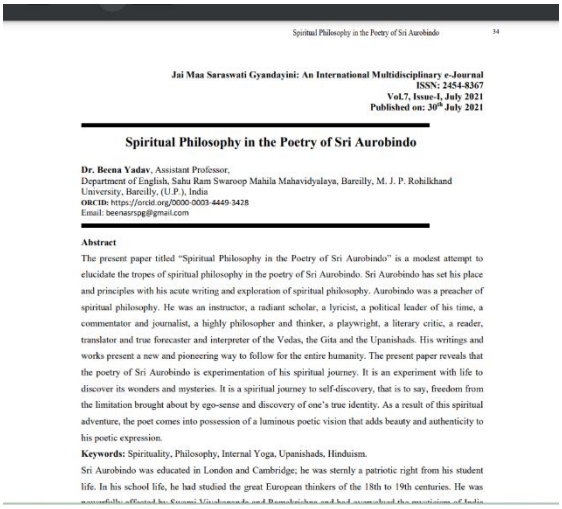

Spiritual Philosophy in the Poetry of Sri Aurobindo

Dr. Beena Yadav, Assistant Professor,
Department of English, Sahu Ram Swaroop Mahila Mahavidyalaya, Bareilly, M. J. P. Rohilkhand University, Bareilly, (U.P.), India
ORCID: https://orcid.org/0000-0003-4449-3428
Email: beenasrspg@gmail.com

Abstract
The present paper titled "Spiritual Philosophy in the Poetry of Sri Aurobindo" is a modest attempt to elucidate the tropes of spiritual philosophy in the poetry of Sri Aurobindo. Sri Aurobindo has set his place and principles with his acute writing and exploration of spiritual philosophy. Aurobindo was a preacher of spiritual philosophy. He was an instructor, a radiant scholar, a lyricist, a political leader of his time, a commentator and journalist, a highly philosopher and thinker, a playwright, a literary critic, a reader, translator and true forecaster and interpreter of the Vedas, the Gita and the Upanishads. His writings and works present a new and pioneering way to follow for the entire humanity. The present paper reveals that the poetry of Sri Aurobindo is experimentation of his spiritual journey. It is an experiment with life to discover its wonders and mysteries. It is a spiritual journey to self-discovery, that is to say, freedom from the limitation brought about by ego-sense and discovery of one's true identity. As a result of this spiritual adventure, the poet comes into possession of a luminous poetic vision that adds beauty and authenticity to his poetic expression.

Keywords: Spirituality, Philosophy, Internal Yoga, Upanishads, Hinduism.

Sri Aurobindo was educated in London and Cambridge; he was sternly a patriotic right from his student life. In his school life, he had studied the great European thinkers of the 18th to 19th centuries. He was

Mrs. Shraddha Mishra

International Ouline Multidisciplinary Journal

Review of Research

Save Tree. Save Paper. Save World

ISSN NO:- 2249-894X Impact Factor : 5.7631(UIF) Vol - 11 | Issue - 2 | November - 2021

Content

Sr. No.	Title and Name of The Author (S)	Page No.
1	कृष्णा अग्निहोत्री के लगता नहीं है दिल मेरा आत्मकथा का अनुशीलन घाडगे वनिता अशोक	1
2	RURAL HOUSEHOLDS ACCESS TO WATER RESOURCES: A STUDY ON IMPACT OF CLIMATE CHANGE IN MUSANZE DISTRICT, NORTHERN PROVINCE, RWANDA Dr. Rugazura Ephraim	6
3	अनुसूचीत जाती सुधारणा योजनेतील वाढीव अनुदानाचा अभ्यास डॉ. नंदकुमार रामचंद्र कोल्हापूरे	18
4	CULTIVATION OF OYSTER MUSHROOM: A SUSTAINABLE APPROACH OF RURAL DEVELOPMENT IN EASTERN UTTAR PRADESH Ram Autar and S. K. Shukla	22
5	SOCIO-ECONOMIC CONDITIONS OF GONDHALI COMMUNITY IN BAGALKOT DISTRICT OF KARNATAKA Yashodha M. and Dr (Smt). Shashikala D. J.	28
6	STATE-TRAIT ANXIETY AMONG MALE AND FEMALE INDIVIDUALS IN A COVID-19 PANDEMIC SITUATION Dr. Dhame Ganesh Murlidhar and Dr. Jagtap Ramchandra Dadaso	35
7	दृश्य माध्यमों में हिन्दी का बदलता स्वरुप डॉ. विजयलक्ष्मी शास्त्री	40
8	ANXIETY, DEPRESSION AND STRESS LEVEL AMONG THE UNEMPLOYED YOUTH IN COVID-19 PANDEMIC SITUATION Dr. Shinde Vijaykumar Balbhim	44
9	दलित साहित्यातील धर्म, जात व लिंग आधारित विषमतेचे चित्रण: एक चिंतन स्वाती मनोहर काळे , अर्चना अनिल गंगावणे, प्रा. डॉ. प्रभाकर कांबळे	51

10	NEW EDUCATION POLICY AND THE CHALLENGES AHEAD Shraddha Mishra	55
11	"E-BANKING AND ITS SOCIETAL IMPACT " Anil Kumar and Dr. Ranjan Kumar	63
12	RELIGION AND FESTIVAL: WITH SPECIAL REFERENCE TO "ORAON" INDIGENOUS TRIBE IN INDIA Dr. Nirmal Kumar Mandal	67
13	"NANO-COATING OF HYDROPHOBIC, ANTI-BACTERIAL ZNO, TIO_2 NANOMATERIALS ON TEXTILE" Lavanya Vishnu Dasari	73

REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 11 | ISSUE - 2 | NOVEMBER - 2021

NEW EDUCATION POLICY AND THE CHALLENGES AHEAD

Shraddha Mishra
Assistant Professor, Department of Political Science,
Sahu Ram Swaroop Mahila Mahavidyala, Bareilly .
Affiliated to MJP Rohilkhand University, Bareilly.

ABSTRACT:

The New Education Policy passed in the year 2020 promises to overhaul the entire education system in India aligning it with the needs of the 21st century world. The policy proposes some major changes in school education in order to meet the needs of the time. But overall, the policy doesn't seem to come up with anything strikingly different from the past policies. As far as school education is concerned, like previous policies, it also promises an increase in public funding of education, equitable quality education with lifelong learning opportunities for all among other things. Provision for Early Childhood Care and Education (ECCE) in the policy is although being hailed as something path breaking but there have been schemes like Integrated Child Development Services (ICDS) which caters to the ECCE needs. Moreover, the performance of the same government at centre in this direction which has come up with the new education policy doesn't seem to be encouraging at all. Whether it is the public funding of education, or the ICDS, or the condition of Aganwadi system, or the penetration and even distribution of digital technology in the country is concerned, the performance of the current government has not been better than the previous ones in any respect. In such a scenario, it is very difficult to convince oneself that this policy is a panacea for all the ills of the education system. Unless and until the problems as discussed in the paper are fixed before hand, the policy is bound to fall short of its promises.

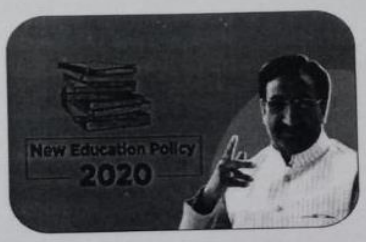

KEYWORDS: *National Education Policy (NEP), School education, Early Childhood Care and Education (ECCE), Integrated Child Development Services (ICDS), Aganwadi centres (AWCs), Digital Technology, Samagra Shiksha.*

INTRODUCTION

After more than three decades, the government of India has once again come up with a new National Education Policy to revise and revamp the whole education system with new rules of its regulation, governance, and management. The policy claims to have a goal of creating a new education system very much aligned with the needs of the 21st century world. It claims to target the Goal 4 (SDG4) of the 2030 Agenda for sustainable Development which India adopted in 2015 and which seeks to ensure inclusive and equitable quality education and promote lifelong learning opportunities for all by 2030"(NEP, 2020, p.3). The policy proposes to reconfigure the entire educational scenario in India so as

THE ETERNITY

द इटर्निटी

An International Multidisciplinary Peer Reviewed and Refereed Research Journal

UGC List No 44958 **ISSN : 0975-8690** **PIF. : 4.875**

Vol. XII **No. 4** **Years-2021**

Content

❖ अपचारी बालकों के सुधार एवं भविष्य निर्माण में बाल सुधार गृहों एवं नागरिक समाज संगठनों की भूमिका –राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में 1-10
प्रभंजन कुमार

❖ वाराणसी शहर के बाढ पीडित महिला श्रमिकों के स्थिति का अध्ययन 11-17
देवेन्द्र मौर्या

❖ 20वीं सदी के अंतिम दशक में बिहार की राजनीति की मुख्य परिवर्त्तनकारी घटनाओं का विश्लेषण 18-23
डॉ0 संदीप कुमार अत्री

❖ **Corporate Social responsibility in India: Study of Northern Coal Field Limited** 24-27
Vikas Singh yadav

❖ महात्मा गाँधी के शैक्षणिक विचार
डॉ0 साकेत कुमार रवि 28-33

❖ **Rescue, Repatriation and Rehabilitation of Women Refugee with Special Reference to Swami Vivekananda's Yogic Philosophy** 34-44
Dr. Sudhir Kumar Singh
Nishant Kumar

❖ संथाल जनजाति का सामाजिक संस्कार के रूप में विवाह संस्कार
रेशमा लकड़ा 45-51

- A Study of General Well-being of Senior Secondary School Students
  Yashika Elizabeth Yeoward
  Dr. (Mrs.) Seema Mallick 206-215
- **J. Krishnamurti : Crisis in Human Consciousness**
  Subodh Kumar Srivastav 216-220
- **The Repulsion of Overrated Desire in Aravind Adiga's The White Tiger**
  Sophiya Bano
  Dr. Navratna Singh 221-229
- **A Study on Attitude toward Mathematics of Rural and Urban School Students at Secondary Level**
  Sofia Parvez
  Dr. Mrs Kirti Cutting 230-238
- पर्यावरणीय न्याय, धारणीयता, समता और न्याय संगतता के मध्य संबंध
  डॉ0 सौम्या यादव 239-255
- **Role of Cinema in Social Change of India**
  Madhvi Giri
  Teena Soni
  Dr. Rakesh Rai 256-266
- **Learn French with Short stories and Fairy tales**
  Dr. Aakash Dwivedi 267-279
- **Health Communication Strategies in India: An Empirical Study With Special Reference to Anemia Among Women in Bihar**
  Aprajita Pathak 280-286
- भारतीय संस्कृति पर यूनानी प्रभाव
  डॉ. धीरेन्द्र सिंह 287-294
- साधन–साध्य की महत्ता : गांधी के विचार में
  नेहा प्रकाश 295-297
- डॉ0 अम्बेडकर और धर्म
  डॉ0 हेमन्त कुमार मालवीय
  गौतम भारती 298-301
- **NEP and the promise of Inclusive Education**
  Shraddha Mishra 302-315
- व्यंग्य विधा के परिप्रेक्ष्य में अमृतलाल नागर
  संगीता पटेल 316-323

NEP and the promise of Inclusive Education

Shraddha Mishra
Assistant Professor, Department of Political Science, Sahu Ram Swaroop Mahila Mahavidyalaya, Bareilly, Affiliated to MJP Rohilkhand University, Bareilly

Abstract

Since the new national education policy has been passed in the year 2020, it is being continuously examined on different parameters. The present paper tries to evaluate the policy on the parameters of Inclusiveness. The new policy commits itself to ensure equitable and inclusive education with lifelong learning opportunities to all irrespective of their socio-economic backgrounds. The policy has many provisions aiming at the inclusion of Socio-Economically disadvantaged Groups (SEDGs) in the school education system but these provisions like that of previous policies are more in the form of promises with no action plan provided in the document. Moreover, the performance of the current government, which has come up with the document, in the education sector per se can't be said better in any respect than the previous governments at centre. Also, there are many provisions in the document which seems to increase segregation in the education system instead of reducing it like emphasis on the use of digital technology and ICT tools for teaching and learning, provision of alternative and innovative education centres and multiple pathways to learning, emphasis on building more Jawahar Navodaya kind of schools, excessive reliability on philanthropic efforts and civil society organizations in the school education sector, promoting the establishment of more unaided private schools etc. The document is also silent upon the Section 12(1) (c) of RTE Act. All this leads to the conclusion that the policy doesn't adequately address the challenge of providing inclusive and equitable education to all.

Introduction

Since the New Education Policy ha
year 2020, its analysis on different grou
continuously. One such ground is 'Inclu
describes a clear cut goal of ensuring "inc
quality education with lifelong learning op
which is Goal 4 (SDG 4) of the 2030 Age
Development adopted by India in the year 201
The policy proposes to restructure the entire e
India so that an atmosphere which enables an
for all without any discrimination on socio-eco
be constituted. The present paper tries to evaluat
parameter of "inclusiveness" in the school ed
would be rather interesting to know whether t
centre is seriously concerned about the inclusivit
system or like the previous governments, it is also
only.

What is Inclusive Education?

The concept of "Inclusive Education"
influenced by the social model of disability.
Northern world (European and North America
disabled children, then studying in separate s
mainstream schools so as to desegregate them
geographically from their peers. Then, subseque
movement to mainstream these students shifted to
whole school was to become more adaptable and
day-to-day educational practices for all diverse kin
This Kind of education system, then, came to be rec
inclusive one. And since the principals and t
encouraged to develop such pedagogies and teachin
that all children including the disabled one can acce
curriculum, it turned into an educational quality issue

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 08, August- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

PLUGGING THE GAP BETWEEN PRODUCTIVITYOF FARM WORKERS AND NON-FARM WORKERS IN RURAL INDIA

Komal Mittal
Assistant Professor
Department of Economics
Bareilly College, Bareilly
M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly INDIA
Email id -komalbcbeco@gmail.com

Dr. Poonam Singh
Supervisor & Associate Professor
SRS PG College, MJP Rohilkhand University, Bareilly, Uttar Pradesh, India

Abstract- Rapid decline of agriculture sector share in national income composition reflects the development of the economy but without a bulge in industrial and service sector it converts the rural development into jobless growth. India is also passing through these phases not only with respect to share of farm(primary) sector in GDP reduction from 45.8% in 1970-71 to 13.9% in 2011-12 but also Labour Force Participation Rate (LFPR) at farms has been reduced by 20 % approximately in this period. Even adoption of industrialization since Second five-year plan, rural India is not effectively covered in purview of employment structure because share of rural area in manufacturing sector increased only 1.7%, 1.1% and .65% respectively in 1972-73 to 1993-94, 1993-94 to 2004-05 and 2004-05 to 2011-12 and after 70 years of economic sovereignty, here is a trench between rural and urban areas of India.

The linkages between farm labour productivity and farm family income are not straightforward in the agriculture sector. This case may be true in non-agricultural production but if rural non-farm workers' productivity would increase than agricultural labour, it will be reduced poverty and accelerate income of rural areas. Institutional published data shows the heterogeneity among workers' productivity with homogeneous trends. This paper would explore the grounds of it and try to suggest the measures for meeting the gap.

Key words: complementarity, farm worker productivity, non-farm worker productivity, productivity trend, rural growth

Introduction:

Indian rural workforce which is the two-third of total workforce earns less than half of the national income clearly reflects the low per capita productivity of this area and even agriculture sector provides 64% employment but having less share of gross value added than secondary and tertiary sector. Another surprising fact is that 89% of the bottom of 20% income earners reside in rural India. Many scholars (Aggarwal and Kumar 2012; Papola 2012; Maurya and Vaishampayan 2012) found the transition in Indian rural economy pre and post reform period but it is gradual. Productivity of rural non-agricultural workforce is three times higher than agricultural workforce so development and growth of rural economy demands blending of non-farm activities with farm sector activity to boost farmers' income and overall productivity of rural sector.Farm activities include agriculture (crop production),

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 08, August- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

PLUGGING THE GAP BETWEEN PRODUCTIVITYOF FARM WORKERS AND NON-FARM WORKERS IN RURAL INDIA

Komal Mittal
Assistant Professor
Department of Economics
Bareilly College, Bareilly
M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly INDIA
Email id -komalbcbeco@gmail.com

Dr. Poonam Singh
Supervisor & Associate Professor
SRS PG College, MJP Rohilkhand University, Bareilly, Uttar Pradesh, India

Abstract- Rapid decline of agriculture sector share in national income composition reflects the development of the economy but without a bulge in industrial and service sector it converts the rural development into jobless growth. India is also passing through these phases not only with respect to share of farm(primary) sector in GDP reduction from 45.8% in 1970-71 to 13.9% in 2011-12 but also Labour Force Participation Rate (LFPR) at farms has been reduced by 20 % approximately in this period. Even adoption of industrialization since Second five-year plan, rural India is not effectively covered in purview of employment structure because share of rural area in manufacturing sector increased only 1.7%, 1.1% and .65% respectively in 1972-73 to 1993-94, 1993-94 to 2004-05 and 2004-05 to 2011-12 and after 70 years of economic sovereignty, here is a trench between rural and urban areas of India.

The linkages between farm labour productivity and farm family income are not straightforward in the agriculture sector. This case may be true in non-agricultural production but if rural non-farm workers' productivity would increase than agricultural labour, it will be reduced poverty and accelerate income of rural areas. Institutional published data shows the heterogeneity among workers' productivity with homogeneous trends. This paper would explore the grounds of it and try to suggest the measures for meeting the gap.

Key words: complementarity, farm worker productivity, non-farm worker productivity, productivity trend, rural growth

Introduction:

Indian rural workforce which is the two-third of total workforce earns less than half of the national income clearly reflects the low per capita productivity of this area and even agriculture sector provides 64% employment but having less share of gross value added than secondary and tertiary sector. Another surprising fact is that 89% of the bottom of 20% income earners reside in rural India. Many scholars (Aggarwal and Kumar 2012; Papola 2012; Maurya and Vaishampayan 2012) found the transition in Indian rural economy pre and post reform period but it is gradual. Productivity of rural non-agricultural workforce is three times higher than agricultural workforce so development and growth of rural economy demands blending of non-farm activities with farm sector activity to boost farmers' income and overall productivity of rural sector.Farm activities include agriculture (crop production),